डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका

रॉयल पत्रिका की ओर से ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 31 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 01 सितंबर से 07 सितंबर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

मुसलमान भारत में इस्लाम की शुरुआत से है और रहेगा- भागवत

-क्या भागवत की बातों का हिंदुत्व के पैरोकारों एवं संगठनों पर प्रभाव पड़ेगा जो आएदिन भारत के मुसलमानों को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं और मुसलमानों को विदेशों से आए हुए बताते हैं

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर तीन दिवसीय आयोजन में संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने एक प्रश्न के उत्तर में जवाब दिया कि भारत में मुसलमान इस्लाम की शुरुआत से ही है और भविष्य में भी रहेंगे । भागवत का कहना है कि भारत में मुसलमानों के साथ रहने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने यह भी कहा कि हिंदुओं की कम से कम तीन बच्चे पैदा करना चाहिए। जमीयत उलेमा हिन्द के सदर मौलाना अरशद मदनी ने मोहन भागवत के बयान का स्वागत करते हुए कहा है कि यह एक बड़ी बात है कि आरएसएस ने यह मान लिया है कि भारत में मुसलमान कहीं बाहर से नहीं आए और भारत के लोगों द्वारा ही इस्लाम अपनाया गया है। मोहन भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू मुसलमानों को साथ रहने की आदत डालनी चाहिए। भागवत ने यह भी कहा कि हिंदुओं को सभी मस्जिदों में शिवलिंग नहीं ढूंढना चाहिए।

मोहन भागवत के बयान का क्या प्रभाव पड़ सकता है-

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत देश के सबसे बड़े हिंदू संगठन के प्रमुख है जिनकी राजनीतिक शाखा भाजपा देश में शासन कर रही है। इसलिए मोहन भागवत का मुसलमानों को लेकर बयान काफी महत्वपूर्ण माना जाएगा। मोहन भागवत के बयान का विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं और भाजपा के नेताओं पर कितना होगा यह भविष्य ही बताएगा। पिछले दिनों हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मुसलमानों को लेकर विरोधी अभियान चला रहे हैं जैसे मस्जिदों में शिवलिंग ढूंढना, मस्जिदों के सामने ढोल तासे डेक बजाना, मोब लिंचिंग करना, मुसलमानों को दाढ़ी मूंछ रखने से रोकना, बुरखा पहनने का विरोध करना, मुसलमानों के कारोबार का बहिष्कार करना, मुस्लिम कर्मचारियों और अधिकारियों को टारगेट करना आदि। अब क्या हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आरएसएस प्रमुख भागवत की बातों को मानेंगे और उन पर अमल करेंगे। असम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रीयों की कार्यशैली भागवत के बयान के बाद बदलेगी? वैसे भागवत के बयान का हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं पर कितना असर रहेगा यह तो पता नहीं है लेकिन यह सच है कि भारत में रह रहे 30 करोड़ मुसलमानों को देश से बाहर नहीं भेजा जा सकता है। देश की मजबूती के लिए देश में हिंदू मुस्लिम का साथ रहना जरूरी है। यदि हिंदू संगठन यह सोच रखते हैं कि भारत से मुसलमानों को बाहर भेजा जा सकता है, तो यह संभव नहीं लगता। क्योंकि 30 करोड़ मुसलमानों की संख्या इतनी बड़ी है कि न तो उन्हें कहीं भेजा जा सकता है और न ही कोई दूसरा देश उनको अपने यहां आने देगा। इसलिए मोहन भागवत का बयान वर्तमान में देश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दिया गया है।

राजनीतिक प्रभाव-

देश की राजनीति में पहली बार ऐसा हो रहा है जब आरएसएस को सीधे तौर पर टारगेट किया जा रहा है। विपक्ष के नेता कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी सीधे तौर पर आरएसएस को देश में नफरत फैलाने वाला, दलित, पिछड़े और मुस्लिम विरोधी संगठन बताते हैं। राहुल गांधी देश के ऐसा नेता है जो बिना किसी डर के आरएसएस को देश को तोड़ने एवं कमजोर करने वाला संगठन बताते हैं। राहुल गांधी आरएसएस के विरोध में दलितो और पिछड़ों को लामबंद कर रहे हैं। मुस्लिम भाजपा से पहले ही दूरी बना कर रख रहे हैं। हिंदू संगठन आए दिन मुस्लिम वर्ग को टारगेट करते रहते हैं। यदि देश में हिंदू मुस्लिम की राजनीति ऐसे ही चलती रहेगी तो आरएसएस से दूसरे वर्ग दूरी बना सकते हैं और आरएसएस की राजनीतिक शाखा भाजपा कमजोर पड़ सकती है। जमीनी स्तर पर देखा जाए तो भाजपा पहले से कमजोर हो रही है। भाजपा की बागडोर कुछ ही नेताओं के हाथ में है। भाजपा के सत्ता में नहीं रहने की स्थिति में विपक्ष आरएसएस को टारगेट कर सकता है। इसलिए संघ की दूरगामी राजनीति हो सकती है कि भविष्य की तैयारी अभी से कि जाए। संघ अच्छी तरह जानता है कि भाजपा की हिंदू-मुस्लिम राजनीति लंबी नहीं चल सकती है। इसलिए वर्तमान में चल रही हिंदू मुस्लिम और नफरत की राजनीति को कम किया जाना चाहिए। नफरत की राजनीति को कम करने के लिए संघ के इशारे पर भाजपा आगामी चुनाव में मुसलमानों को टिकट देना शुरू कर सकती है।

ट्रंप टैरिफ ने दुश्मन देशों को भी एक मंच पर आने पर मजबूर किया

-भारत-पाकिस्तान युद्ध में चीन और तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का साथ दिया था
-चीन में आयोजित एससीओ समिट में चीन, भारत, तुर्की, पाकिस्तान और ईरान के राष्ट्रीयाध्यक्ष एक साथ एक मंच पर दिखाई दिए
-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान, तुर्की के साथ नजदीकी देश के घरेलू मोर्चे पर परेशानी पैदा कर सकती है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ट्रंप टैरिफ ने विश्व के देशों में हलचल पैदा कर रखी है। ट्रंप टैरिफ से विश्व के ज्यादातर देश भयभीत दिखाई दे रहे हैं। टैरिफ के मामले में एकमात्र चीन ही अमेरिका को बराबरी का जवाब देता है। लेकिन भारत ने पहली बार ट्रंप टैरिफ के विरोध में कड़े और मजबूत कदम उठाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत से बहुत नाराज है। अमेरिका भारत को रूस से तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने वाला देश मानता है। दूसरी बात भारत ने भारत-पाकिस्तान युद्ध सीजफायर का क्रेडिट नहीं लेने दिया। यही कारण है कि ट्रंप ने मोदी से नाराज होकर 50% टैरिफ लगा दिया। ट्रंप टैरिफ से भारत को करीब 55-60 लाख करोड डॉलर का नुकसान हो सकता है। अमेरिका ने भारत को डराने और धमकाने की पूरी कोशिश की लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के सामने झुकने के बजाय दुश्मन और पड़ोसी देश चीन, पाकिस्तान से दोस्ती करने की ठान ली है। भविष्य में चीन और पाकिस्तान से दोस्ती के क्या फायदे और नुकसान होंगे यह तो भविष्य में ही पता लगेगा लेकिन यह दोस्ती ईमानदारी से चलती है तो भारत को आर्थिक फायदा बहुत होगा। क्योंकि पड़ोसी देशों से व्यापार करना आर्थिक फायदा पहुंचा सकता है। साथ में सैन्य सामानों पर होने वाला खर्च काफी कम हो सकता है। सभी पड़ोसी देशों में विकास की गति तेज हो सकती है। भारत, चीन, रूस और ईरान का विश्व पटल पर एक साथ आना अमेरिका की बर्बादी की शुरुआत मानी जा सकती है। अमेरिका के लिए विश्व में व्यापार की सीमाएं सिमट सकती हैं।

चीन, भारत, पाकिस्तान और तुर्की दोस्ती की ओर-

भारत-पाकिस्तान में 7 से 10 मई 2025 को भयंकर युद्ध हुआ था। चीन, तुर्की और अज़रबेजान ने पाकिस्तान का एक तरफा साथ दिया था। भारत के एक सैन्य अधिकारी ने माना था कि पाकिस्तान की फौज हमारे सामने लड़ रही थी लेकिन चीन और तुर्की पीछे से लड़ रहे थे।

लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति और ट्रंप टैरिफ का डर इन सभी देशों को अपनी दुश्मनी से ज्यादा खतरनाक दिखाई दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सभी देशों को अपने इशारे पर चलाना चाहते हैं। अमेरिका के साथ चलने और उसकी बात मानने का मतलब है किसी देश का अपना स्वाभिमान गिरना और अमेरिका द्वारा विश्व में चल रहे गुप्त मिशनों और अभियानों में शामिल होना है। यदि मिशन और अभियान सफल होते हैं तो उसका फायदा सिर्फ अमेरिका को मिलता है। भारत एक स्वतंत्र देश है। भारत की 140 करोड़ जनसंख्या अमेरिका से डरने वाली नहीं है। विश्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहा है। भारत की तरह पड़ोसी देशों को भी समझने की जरूरत है। फायदा सबको होगा।

मोदी की घरेलू मोर्चे पर परेशानी बढ़ सकती है-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति और ट्रंप टैरिफ से तो मुकाबला कर सकते हैं लेकिन घरेलू मोर्चे पर उनकी परेशानी बढ़ सकती है। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश में विराट हिंदूत्व शासक का चेहरा है। हिंदू संगठन और उनके कार्यकर्ता कभी नहीं चाहेंगे कि भारत, चीन, पाकिस्तान और तुर्की के साथ दोस्ती बढ़ाएं। पाकिस्तान से तो कुछ दिन पहले युद्ध हुआ है। पाकिस्तान और तुर्की मुस्लिम देश है।

भारत में हिंदू संगठन मुसलमानो के विरोध में ही स्थापित हुए हैं। अब हिंदू संगठनों को मुसलमानो के साथ रहने और उनके साथ काम करने के लिए तैयार करना आसान नहीं है। वैसे हिंदू-मुस्लिम को साथ-साथ रहने मेलजोल बढ़ाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी प्रयास कर रहे हैं। लेकिन हिंदू संगठनों और उनके कार्यकर्ताओं के लिए मुसलमानों के साथ रहने और मेलजोल बढ़ाने की बात मानना इतना आसान नहीं होगा। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घरेलू मोर्चे पर आलोचना और विरोध सामने आ सकता है।

राजस्थान के लाल हवलदार इकबाल अली दुश्मनों से लोहा लेते हुए कुपवाड़ा में शहीद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। झुंझुनूं के लालपुर गांव के हवलदार इकबाल अली 21 ग्रेनेडियर्स में तैनात थे। कुपवाड़ा में शहीद होने वाले इकबाल ने देश सेवा के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। उनके शव को श्रीनगर से दिल्ली के रास्ते गांव में पहुंचाया गया है। घटना के बाद इलाके में मातम है, लेकिन उनकी बहादुरी के किस्से हर किसी जुबान पर है। देश के आह्वान पर जवान मौत को भी पीछे छोड़, उसके लिए समर्पित हो जाते हैं। झुंझुनूं के लालपुर गांव के हवलदार इकबाल अली ने कुपवाड़ा की ठंडी वादियों में शहीद होकर साबित कर दिया कि मातृभूमि की रक्षा के लिए जान कुर्बान कर देना ही सच्चा फर्ज है। आज पूरा गांव उनकी शहादत पर रो रहा है, लेकिन उनकी बहादुरी के किस्से सुनकर यहां के लोगों का सीना फख्र से चौड़ा हो जाता है। शहीद हवलदार इकबाल अली का ताल्लुक राजस्थान के झुंझुनूं जिले के लालपुर गांव से है। देश की आन बान शान के लिए उन्होंने दो दशक तक सरहद पर रहकर सेवा की है और जब जरुरत पड़ी तो अपनी जान कुर्बान कर दी। इकबाल अली जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात थे। उनके शहादत की खबर से पूरा गांव शोक में डूब गया। गुरूवार को उनके पैतृक गांव लालपुर में राजकीय सम्मान के साथ शहीद को सुपुर्दे खाक किया जाएगा। हवलदार इकबाल अली 21 ग्रेनेडियर्स में तैनात थे। उनकी पार्थिव शरीर को श्रीनगर से दिल्ली लाया गया, फिर यहां से देर रात काफिला झुंझुनूं उनके गांव पहुंचा। पूरे इलाके में शहीद के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर अपने योद्धा को आखिरी सलाम पेश किया। इस शहीद इकबाल अली के परिजन, रिश्तेदार, स्थानीय लोगों के साथ सेना के अधिकारी और कई दिग्गज शामिल हुए। मिली जानकारी के मुताबिक, शहीद इकबाल अली के परिवार में उनकी बीवी नसीम बानो, बेटी मायरा और मां जन्नत बानो हैं। परिवार की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। गांव में मातम पसरा है। इकबाल अली ने 15 जनवरी 2003 को देश सेवा के जज्बे के साथ भारतीय सेना की 21 ग्रेनेडियर्स में भर्ती हुए थे। मिली जानकारी के मुताबिक, 3 जुलाई 2025 को वे छुट्टी पर अपने घर आए थे और 20 दिनों की छुट्टी पूरी कर 23 जुलाई को ड्यूटी पर लौट गए थे। उनकी पहली पोस्टिंग पानागढ़, कोलकाता में हुई थी। कुछ दिन पहले ही उन्हें कुपवाड़ा में तैनात किया गया था।

कायमखानी समाज के बहादुरों ने अब तक 400 से ज्यादा सेना मेडल प्राप्त किए-

हवलदार इकबाल झुंझुनू जिले के लालपुर गांव के निवासी थे और उनके परिवार में से कई लोग सेना में रहे हैं। शहीद हवलदार इकबाल खान कायमखानी समाज से आते हैं। राजस्थान का कायमखानी समाज के सैनिक अपनी बहादुरी और वीरता के लिए देशभर में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। राजस्थान के कायमखानी फौजियों ने सबसे ज्यादा 6 वीर चक्र, 4 शौर्य चक्र, 20 सेवा मेडल, सहित 400 से ज्यादा मेडल प्राप्त किए हैं। राजस्थान के कायमखानी समाज के लोग सेवा में छोटे से लेकर बड़े पदों तक में अपनी सेवा दी है और दे रहे हैं। शहीद हवलदार इकबाल खान का जिला झुंझुनू तो सैनिकों की फैक्ट्री के नाम से ही पहचाना जाता है। वर्तमान में भी कायमखानी समाज के प्रत्येक परिवार से देश की सेवा करने के लिए फौज में भर्ती होना चाहता है।

अमित शाह के खिलाफ रिटायर्ड जजों का अभियान ठीक नहीं- किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को उपराष्ट्रपति चुनाव की चल रही प्रक्रिया में हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भागीदारी पर सवाल उठाया। उन्होंने चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ उनकी टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव एक राजनीतिक मामला है और सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भागीदारी से ऐसा लगता है कि अपने कार्यकाल के दौरान भी उनका वैचारिक झुकाव रहा होगा।

इस तरह का अभियान चलाना अनुचित-

रिजिजू ने कहा कि संवैधानिक प्राधिकारियों के खिलाफ इस तरह के अभियान चलाना अनुचित है। विधान सौध में पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा, "कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने गृह मंत्री के खिलाफ कुछ लिखा है। यह ठीक नहीं है। उपराष्ट्रपति का चुनाव एक राजनीतिक मामला है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश इसमें हस्तक्षेप क्यों करें।"

केंद्रीय मंत्री का कांग्रेस पर आरोप-

उन्होंने कहा कि इससे ऐसा लगता है कि न्यायाधीश रहते हुए भी उनकी एक अलग विचारधारा थी। गृह मंत्री के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाना और पत्र लिखना उचित नहीं है। बेंगलुरु में वकीलों के एक सम्मेलन को संबोधित करने के दौरान मंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

सवाई मानसिंह अस्पताल में अंगदान, तीन लोगों को मिला नया जीवन

-परिजनों के साहसिक निर्णय से तीन लोगों की ज़िन्दगी बदली
-18 वर्षीय रोहन की दोनों किडनी एवं लिवर किए दान

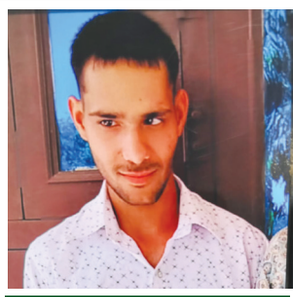

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में जीवन रक्षा की दिशा में अंगदान के पुनीत कार्य को प्रोत्साहन मिल रहा है। राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से अंगदान के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ी है और लोग अंगदान का साहसिक फैसला लेकर जीवन रक्षा की मिसाल कायम कर रहे हैं। सवाई मानसिंह अस्पताल में शनिवार को एक 18 वर्षीय युवक के अंगदान किए गए, जिनसे तीन लोगों को नया जीवन मिला। शेष पृष्ठ 2 पर....

राजकीय सआदत अस्पताल की पार्किंग अब नि:शुल्क

टोंक (रॉयल पत्रिका)। मरीजों और आमजन को राहत देते हुए राजकीय सआदत एवं जनाना अस्पताल टोंक की वाहन पार्किंग अब पूरी तरह निःशुल्क कर दी गई है। राजकीय सआदत अस्पताल टोंक के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. हनुमान प्रसाद बैरवा ने जानकारी दी कि 31 अगस्त से अस्पताल परिसर में वाहनों के पार्किंग शुल्क की वसूली बंद कर दी गई है। डॉ. बैरवा ने बताया कि पहले अस्पताल में वाहन खड़ा करने के लिए शुल्क लिया जाता था, लेकिन जिला कलेक्टर के हाल ही में जारी आदेश के अनुसार यह पार्किंग सुविधा अब निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि इस निर्णय से मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी और अनावश्यक आर्थिक बोझ कम होगा।

राधा जन्मोत्सव पर सांगानेर में शोभा यात्रा का हुआ आयोजन

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। श्री हित समाज मंडल सांगानेर के तत्वाधान में 31 अगस्त दिन रविवार को राधा जन्म उत्सव के उपलक्ष में सांगानेर में विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी सांगानेर के श्रद्धालुओं ने एवं जनता ने बड-चड कर भाग लिया। यह शोभा यात्रा बैंड बाजों, ऊंट, घोड़ा, पालकी के साथ सांगा सेतु पुलिया होते हुए सांगानेर स्टेडियम से सांगा बाबा सर्कल, सिटी एस बस स्टैंड, मेन मार्केट होते हुए राधा वल्लभ मार्ग पर समाप्त हुई। इस शोभा यात्रा का सांगा बाबा सर्कल पर भव्य स्वागत किया गया। इस शोभा यात्रा के कार्यक्रम में सांगानेर का मशहूर हिंद मनफूल बैंड ने अपनी प्रस्तुति देकर जनता का मन मोह लिया, जिया बैंड ने भी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में सहयोग करने वाले, समाजसेवी, सांगानेर के गणमान्य व्यक्तियों एवं पुलिस प्रशासन तथा मीडिया का मंडल द्वारा सम्मान किया गया। अंत में महा आरती कर यात्रा का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में हमारे संवाददाता एवं जिला मीडिया प्रभारी मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी का भी सम्मान किया गया।

दारुल कुजा आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, गंगापुर सिटी
ऐलान गाएव मफ्कूदुल खबरी
मामला नं. 7/198, 1447 हिजरी
परवीन बानो D/O हिमायत अली मकाम व पोस्ट शेषा तहसील मलारना डूंगर, सवाई माधोपुर फरीक ए अव्वल
बनाम
रईस खान S/O इसहाक खान मकाम व पोस्ट शेषा तहसील मलारना डूंगर, सवाई माधोपुर फरीक ए दोम
इस मामले में फरीक अव्वल परवीन बानो ने आप के खिलाफ दारुल कुज़ा गंगापुर सिटी में 3 साल से गाएब नान व नफ्का न देने और दीगर हुकूक ए ज़ोजियत अदा न करने की बुनियाद पर फ़स्ख ए निकाह का मामला दर्ज किया है। इसलिए इस ऐलान के ज़रिये आप को इत्तिला दी जाती है कि आप जहां कहीं भी हों दिनांक 25 रबीउल अव्वल 1447 हिजरी मुताबिक 18 सितम्बर 2025 इस्वी बरोज़ जुमेरात सुबह 9 बजे आप स्खुद अपने गवाहों और सुबूत के साथ दारूल कज़ा गंगापुर सिटी में हाज़िर होकर रफ ए इल्ज़ाम करें। इस तारीख पर हाज़िर न होने या कोई पैरवी न करने की सूरत में मामला हाज़ा का तस्फिया कर दिया जाएगा। गवाहान दो ऐसे मोतबर मुस्लिम मर्द या एक मर्द और दो औरतें हों जो मामला से मुनअल्लिक हालात से पूरी तरह वाकिफ हों।
बहुक्म काज़ी शरियत दारुल कुज़ा आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, गंगापुर सिटी फ़क़त।

गीतकार नहीं है

आ के क़रीब जानां पहचान भी तो ले
कहना नहीं के मुझसे प्यार नहीं है
जो धड़कने थीं कभी दिल का सहारा,
उन धड़कनों पे अब इख़्तियार नहीं है
रिश्तों की लौ अब बुझती हुई सी है
उनकी मोहब्बत भी ग़मख्वार नहीं है
आंखों में साजिशों के मंज़र तमाम हैं
और दिल में अब हिम्मते यलगार नहीं है
नज़रों में इन्टरनेट की रानाइयां तो हैं
लेकिन दिले मुज़तरब गुलज़ार नहीं है
ये भी सुना है बदली है उसने शख्सियत
लहजा भी बदला है अब ख़ूंख़ार नहीं है
जो भी करोगे फैसला मंज़ूर है मुझे
फिर भी ज़रा सा मुझ पे ऐतबार नहीं है
अश्कों का मोलभाव यहां कौन जाने है
रोते को हंसा दे वो गीतकार नहीं है

फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

15 अक्टूबर को होगा पांचवां कलाम रत्न अवार्ड कार्यक्रम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हमारा पैगाम भाईचारे के नाम थीम पर काम कर रहे वतन फाउंडेशन पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को संगठन की संरक्षक रजनी लक्ष्यकार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक कि जानकारी देते हुए संगठन महासचिव रूमा नाज ने बताया कि आगामी 15 अक्टूबर 2025 को कलाम रत्न अवार्ड सम्मान समारोह धूमधाम से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सम्मान समारोह को सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करने को लेकर बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव दिए। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने बताया कि टीम वतन फाउंडेशन पिछले 5 वर्षों से लगातार हर साल 15 अक्टूबर को भारत रत्न मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब की याद में इस आयोजन को करती आ रही है। आर्मी के अनुसार सम्मान समारोह में जिले के सरकारी विद्यालयों के कक्षा 10 और 12 के टॉपर्स छात्र छात्राओं सहित जिले की अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को कलाम रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। टीम वतन फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया ने बताया कि गत वर्षों के मुकाबले इस बार भी कार्यक्रम को और भव्य व प्रेरणादायी रूप में मनाया जाएगा, ताकि समाज में प्यार मोहब्बत भाईचारे के साथ शिक्षा, प्रेरणा और सकारात्मक सोच का संदेश आम जन तक पहुंच सके। संगठन सचिव सुनीता मधुकर ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर शीघ्र ही अगली बैठक आयोजित कर कार्यक्रम को सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए सभी की अलग-अलग जिम्मेदारी दी जाएगी। बैठक में संरक्षक राजेश शर्मा, हुसैन आर्मी, रूमा नाज, रजनी लक्ष्यकार, सुनीता मधुकर, सुनीता देवी वर्मा, सुमन शर्मा, कैलाश सिसोदिया, मोइन खान, वरिष्ठ अध्यापक अब्दुल मजीद मुकेश जैन, जाबिर अली, आशीष मेहरा, विमल पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर राजस्थान जिला स्तरीय समृद्धि कार्यक्रम 2025-26

-मोहम्मद नासिर रहे द्वितीय स्थान पर

मोहन शर्मा द्वारा विजेता संभागियों को मोमेंटो व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। आयोजक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा सवाई माधोपुर के तत्वाधान में जिला स्तरीय कला समेकित समृद्धि शिक्षण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की शिक्षण कलाओं को समेकित करते हुए व कई नवाचारों के द्वारा शिक्षण अधिगम का प्रदर्शन किया गया। जिसमें मोहम्मद नासिर अध्यापक ने सौर मंडल की जानकारी, सूर्य ग्रहण व चंद्र ग्रहण की स्थिति को 3D मैग्नेट के द्वारा चल थिएटर पर चला कर प्रदर्शित किया। पिछले वर्ष 2024 25 में भी मोहम्मद नासिर ने उक्त प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सवाई माधोपुर श्रीमती कृष्णा शर्मा अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक दिनेश कुमार गुप्ता Apc राकेश कुमार मीना, चंद्र

जयपुर को मॉडल नगर बनाने का संकल्प, लेकिन स्ट्रीट वेंडर्स की नहीं है कोई परवाह

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर ग्रेटर की टाउन बेडिंग कमेटी की नगर निगम के कमिश्नर गौरव सैनी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में नगर निगम के अधिकारी गण, प्रतिनिधि, पार्षद एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इस मीटिंग में जयपुर शहर के स्ट्रीट वेंडर्स के अधिकारों, सम्मान और संरक्षण को लेकर गंभीर चर्चा हुई। ताकि वे एक सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सुव्यवस्थित माहौल में अपना रोजगार कर सकें। सांगानेर के समिति के सदस्य जयप्रकाश बूलचंदानी ने अपने सुझाव रखें। उन्होंने बताया कि जयपुर शहर के एक भी स्ट्रीट वेंडर को नगर निगम की तरफ से कोई आधिकारिक लाइसेंस नहीं मिला है। केवल पहचान कार्ड बनाया गया है जो सिर्फ वोटिंग के लिए उपयोगी है। यह एक अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय स्थित है। जब तक सरकार और नगर निगम अंत्योदय की भावना से काम नहीं करेगा तब तक स्ट्रीट वेंडर्स को उनके काम करने के लिए उचित लाइसेंस और वेडिंग जोन की सुविधा नहीं देगा तब तक जयपुर शहर सुंदर और व्यवस्थित नहीं बन सकेगा। साथ ही अतिक्रमण करने वाले और माफिया गरीबों का शोषण करते रहेंगे। स्ट्रीट वेंडर्स को निर्धारित, सुरक्षित और सुनिश्चित स्थान प्रदान किया जाए। जहां वह अपने रोजगार को भली भांति चला सकें। डेयरी बूथ की आड़ में रेस्टोरेंट या डिपार्टमेंटल स्टोर बनाने और नियमों का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। शहर में अतिक्रमण की समस्या को लेकर न्यायालय में लंबित स्टे आदेशों के प्रभाव को देखते हुए नगर निगम द्वारा उचित कानूनी कार्यवाही शीघ्र ही सुनिश्चित की जाए। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ स्ट्रीट्स वेंडर्स तक शीघ्र प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठकें हर 3 महीने में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। जयपुर शहर को स्वच्छ सुव्यवस्थित, और समृद्ध शहर बनाने के लिए हम सभी को मिलकर सहयोग करना चाहिए। तभी हर वर्ग की उन्नति संभव हो पाएगी।और शहर विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंच पाएगा।

राठौड़ ने केंद्र के EWS प्रावधान को अधूरा बताते हुए प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजकर ईडब्ल्यूएस सरलीकरण की मांग रखी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) का आंदोलन एक बार फिर मुखर होने जा रहा है। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के पूर्व चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार की विभिन्न सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की जटिल शर्तों को राजस्थान मॉडल की तर्ज पर सरलीकृत करने की मांग की है। राठौड़ ने ज्ञापन में कृषक वर्ग की जाट, बिश्नोई समेत राज्य की 671 ओबीसी जातियों पर ध्यान भी केंद्रित किया, जो केंद्र स्तर पर जनरल और ईडब्ल्यूएस श्रेणी में आती हैं, लेकिन इनमें महिला प्रतिनिधित्व बेहद कम होने को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ वाले राष्ट्र के लिए चिंताजनक बताया है।
राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार ने 12 जनवरी 2019 को ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान कर सामाजिक न्याय की नई नींव रखी थी। कई राज्य सरकारों ने इसे अपनाया भी, लेकिन ईडब्ल्यूएस में मौजूद असंगतियां विशेष रूप से कृषक समुदाय और महिलाओं को पूर्ण लाभ से वंचित कर रही हैं। कठोर प्रावधानों के कारण यह आरक्षण खोखला साबित हो रहा है। उदाहरणस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में ईडब्ल्यूएस आवेदकों की संख्या एससी/एसटी से 2.5 से 3.5 गुना कम है, जबकि एसएससी की प्रमुख भर्तियों में यह अनुपात 4 से 4.4 गुना कम दर्ज किया गया है। यह दर्शाता है कि केंद्र की ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र जारी करने की शर्तें व्यावहारिक नहीं हैं।
इसके विपरीत, राजस्थान सरकार ने 20 अक्टूबर 2019 को ईडब्ल्यूएस आरक्षण को सरलीकृत कर राहत प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप पिछले छह वर्षों में राज्य स्तर की भर्तियों में क्रांति आ गई। सामान्य वर्ग की राजपूत, ब्राह्मण, वैश्य समेत तमाम जातियां अब सरकारी नौकरियों की ओर मुड़ रही हैं, जिससे सामाजिक पुनरुत्थान हुआ है। यह लहर जैसलमेर, बाड़मेर जैसे शैक्षणिक रूप से पिछड़े इलाकों में क्रांतिकारी साबित हुई है। राजस्थान में केवल 8 लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा है, जबकि केंद्र में आय के साथ भूमि और भूखंड संबंधी शर्तें जोड़ी गई हैं, जो निरर्थक हैं। किसी अन्य आरक्षण प्रणाली में ऐसी शर्तें नहीं हैं, तो ईडब्ल्यूएस में क्यों?
राठौड़ ने मांग की कि केंद्र सरकार राजस्थान मॉडल अपनाकर ईडब्ल्यूएस आरक्षण को प्रभावी बनाए, ताकि कृषक और महिला वर्ग को न्याय मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो ईडब्ल्यूएस आंदोलन और मुखर होगा।

केंद्र और राजस्थान में ईडब्ल्यूएस आरक्षण प्रावधानों में अंतर

केंद्र सरकार में ईडब्ल्यूएस आरक्षण प्रावधान:
परिवार की आय 8 लाख रुपये से अधिक न हो।
परिवार के पास 5 एकड़ से अधिक कृषि भूमि न हो।
1000 वर्ग फुट या इससे अधिक आवासीय फ्लैट न हो।
नगरपालिका क्षेत्र में 100 वर्ग गज या इससे अधिक आवासीय प्लॉट न हो।
नगरपालिका क्षेत्र से बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में 200 वर्ग गज या इससे अधिक आवासीय प्लॉट न हो।
राजस्थान सरकार में ईडब्ल्यूएस आरक्षण प्रावधान:
परिवार की आय 8 लाख रुपये से अधिक न हो।
भूमि और भूखंड का उल्लेख होने से केंद्र में ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र जारी करने में कठिनाई आती है।

दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था द्वारा तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह में 600 प्रतिभाओं का किया सम्मान

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के कचोलिया रोड़, शाही बाग पैलेस में रविवार को दा बुद्धा सामाजिक एवं शैक्षिक संस्था द्वारा तृतीय उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह अखिल भारतीय सांगलिया धूणी सीकर के ओमदास महाराज के सांनिध्य में भगवान महात्मा बुद्ध व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ओमदास महाराज ने शिक्षा, स्वास्थ्य, मानव सेवा, महिला सशक्तिकरण आदि पर विशेष जोर दिया। विशिष्ठ अतिथि बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने बताया कि प्रतिभाओं का सम्मान करने से प्रेरणा पाकर भविष्य में उच्च पदों पर पहुंचकर मानव सेवा ओर राष्ट्रीय सेवा के प्रति समर्पित रहे। अध्यक्षता संस्थापक व अध्यक्ष एडवोकेट जितेन्द्र बुनकर ने की। विशिष्ठ अतिथि डॉ. अंबेड़कर मेमोरियल वैलफेयर सोसायटी के प्रदेशाध्यक्ष जसवंत सम्पतराम, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, सेवानिवृत भरतपुर संभागीय आयुक्त पीसी बेरवाल, सेवानिवृत एडिशनल एसपी अनिल गोठवाल, सेवानिवृत सीआरपीएफ एसपी केएम बुनकर, एडवोकेट रमेश रत्न, सेवानिवृत जज टेकचंद राहुल, भंते प्रज्ञा सागर, कानदास महाराज, संस्था के संरक्षक चुन्नीलाल मण्डारवाल, जिला परिषद सदस्य जितू बुनकर, पंस. सदस्य सुनीता बुनकर, पंस. सदस्य सुमन बुनकर ने अपने विचार व्यक्त किए। संस्था के महासचिव महेंद्र कुमार बॉयला ने बताया कि वर्ष 2024-25 में 600 प्रतिभावान विद्यार्थियों, 50 नवनियुक्त कर्मचारी, 30 प्रतिभागी खिलाड़ी, 25 स्काउट, एनसीसी व एनएसएस, 50 समाजसेवियों, 15 भामाशाहों एवं जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया। इससे पूर्व आए हुए अतिथियों का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा पंचशील का दुपट्टा पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंच संचालन प्रभुदयाल वर्मा, महेंद्र सिंह खण्डेवाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के अन्त में संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र बुनकर ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस दौरान संस्था के कोषाध्यक्ष बनवारी लाल कालावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्यामसुंदर बुगालिया, उपाध्यक्ष मनीष बिदावत, महेश मोरदिया, मुकेश रोजड़ा, हेतराम बबेरवाल, ओमप्रकाश बुनकर, रामचंद्र खारड़िया, प्रवक्ता विनोद कुमार वर्मा, संगठन सचिव उमराव परिहार, राजेंद्र फानण, सदस्य शंकरलाल बुनकर, बाबूलाल वर्मा, ताराचंद डूंडलोदिया, रवि बरवड़, अमरचंद, श्रवण मलिण्डा, राकेश बबेरवाल, सुनील वर्मा, लोकेश वर्मा, दीनदयाल बबेरवाल, अशोक बबेरवाल, दीपक बुनकर, सौदागर कांदेला, मुकेश जिन्दल, रघुनाथ पाटोदिया, सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, घनश्याम कांदेल, एडवोकेट धर्मेंद्र घसिया, पीसी बलाई, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, एडवोकेट राजेन्द्र कुमार वर्मा, हनुमान सहाय झांटीवाल, नरेश कुमार रोजड़ा, नंदकिशोर मोरदिया, चंद्रकला नागोरी, घीसालाल बबेरवाल, फूलचंद सिंघल, गोपाल लाल देवठिया, सियाराम बुनकर, राजेश सोगण, दीपक वर्मा इत्यादि लोग मौजूद रहे।

भोपजी में श्री बड़ पीपली बालाजी धाम पर महाराज प्रमेंद्र नाथ जी का भव्य स्वागत किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। श्री बढ़ पिपली बालाजी धाम जयपुर के महाराज श्री परमेंद्र नाथ जी महाराज का ग्राम इटावा- भोपजी में श्री जमवाय माता फाउंडेशन के तहसील अध्यक्ष एडवोकेट भंवर सिंह नाथावत के सांनिध्य में आम जनता द्वारा महाराज श्री को साफा पहना कर माला शाल ओढ़ा कर स्वागत सत्कार किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच भगवान सहाय यादव वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार सैनी, व्याख्याता मानक चंद शर्मा, शेदुरम माली, मदनलाल सैनी, अजय कुमार भारती, कालूराम माली, गुलाबचंद यादव, ओमप्रकाश बुनकर, गणेश सोनी, तूफान जांगिड़, राजेंद्र सैनी और काफी संख्या में लोगों ने महाराज श्री को माला पहनकर स्वागत किया। महाराज श्री ने बताया की शनि मंदिर करीरी में 31 अगस्त को जनता की पीड़ा हरने हेतु गदी लगाई जाएगी। जिसमें मात्र एक नारियल लाना है। सभी मनोकामना पूर्ण होगी इसके लिए सभी क्षेत्रवासी करीरी पधारे ज्यादा से ज्यादा संख्या ने न्योता दिया।

थाना इंचार्ज मुनीन्द्र सिंह के मुरीद हुए जयपुर कमिश्नर बीजू जार्ज जोसफ, पत्र लिखकर की प्रशंसा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर थाना मालपुरा गेट के इंचार्ज मुनीन्द्र सिंह ने अभी हाल ही में जामडोली क्षेत्र में एक युवक की हत्या हो गई थी। उसमें उपजे तनावपूर्ण माहौल में तुरंत पहुंचकर मोर्चा संभाला था।और अपनी सूझबूझ और दूरदर्शिता से क्षेत्र में माहौल को बिगड़ने नहीं दिया था। साहसिक कदम उठाते हुए तुरंत कार्रवाई कर कानून व्यवस्था को संभाल और किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक टकराव को नियंत्रित करने में कामयाब हुए और पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी, कार्य के प्रति समर्पण, कुशल नेतृत्व का नमूना पेश कर अपने आला अफसर में एवं जनता में प्रशंसा के पात्र बने। मालपुरा थाना इंचार्ज मुनीन्द्र सिंह की चारों तरफ भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है। इसीलिए जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने प्रशस्ति पत्र देकर उनके कार्य की, साहस पूर्वक लिए गए निर्णय की, पुलिस का पैगाम जन-जन में विश्वास को पुख्ता करने की और अपराधियों में भय,डर पैदा कर जन भागीदारी,आम जन में विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को मजबूत करने की सराहना की है। जो अति प्रशंसनीय है। उन्होंने बता दिया है कि कठिन परिस्थितियों एवं चुनौतियों का सामना करने का नाम मुनीन्द्र सिंह है। अपराधियों में भय,डर पैदा कराने का नाम मुनीन्द्र सिंह है। सामाजिक सरोकार एवं पुलिस प्रशासन की साख बढ़ाने का नाम मुनीन्द्र सिंह है। कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखना दूरदर्शिता एवं साहस और सूझबूझ से निपटने का नाम मुनीन्द्र सिंह है। हर थाने की साख बढ़ाने में एवं अपने स्टाफ का साथ देने का नाम मुनीन्द्र सिंह है। इसीलिए जनता प्यार से कहती है आ गया सिंघम यह अति संयुक्ति नहीं है। जनता द्वारा दी गई उपनामों की पहचान है। जो मुनीन्द्र सिंह उर्फ सिंघम को मिली है।

करीरी में उमड़ा हजारों भक्तों का जन सैलाब

-शनिदेव मंदिर में गदी कार्यक्रम हुआ आयोजित

मनोहरपूर/शाहपुरा (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत करीरी के शनिदेव मंदिर में रविवार को बड पीपली बालाजी धाम झोटवाड़ा के महंत परमेन्द्रनाथ महाराज की गदी कार्यक्रम का आयोजन आयोजित हुआ। कार्यक्रम में दिल्ली हरियाणा पंजाब उत्तर प्रदेश सहित लगभग 30 गांवो के लगभग 50 हजार लोग पहुंचे। कार्यक्रम में असाध्य बिमारी कैंसर रोग, लकवा रोग, मानसिक रोग, जोड़ों का दर्द रोग सहित अन्य बीमारी के लोग गदी कार्यक्रम में अपनी अरदास लेकर पहुंचे। कार्यक्रम में बड पिपली बालाजी धाम के महंत परमेंद्रनाथ महाराज ने भक्तों को प्रवचन देते हुए कहा कि जन कल्याण हेतु निस्वार्थ भाव से सांसारिक पीड़ाओं के निवारण के लिए बालाजी की गदी लगी है। कार्यक्रम के दौरान शनिदेव के मंदिर में 11 पंडितों के द्वारा अखंड रामधुनी कार्यक्रम आचार्य पंडित नरेंद्र जोशी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान शनिदेव महाराज की फुलबगला से झांकी सजाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर त्रिवेणी धाम के जगतगुरु खोजीआचार्य रामरिछपाल दास महाराज, त्रिवेणी धाम के मंहत रामचरणदास महाराज, नायन आश्रम से कालिदास महाराज, दिवराला आश्रम किशनदास महाराज, लिसाडिया आश्रम से बालकदास महाराज, नवलगढ़ से गोविंददास महाराज, करीरी आश्रम से सुरेशदास महाराज, अयोध्या आश्रम से धर्मानंदशरण महाराज, कालवाड़ के रामघाट आश्रम से कालिदास महाराज व शाहपुरा राजपरिवार की सदस्या रानी भुवनेश्वरी कुमारी भी मौजूद थीं।

पृष्ठ एक का शेष....

सवाई मानसिंह अस्पताल में अंगदान.....

सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि गांव जयपुर जिले के गोविंदगढ़ तहसील के चीथवाड़ी गांव निवासी 18 वर्षीय युवक रोहन शर्मा सीकर रोड पर सड़क हादसे गंभीर गायल हो गया था। उसे 24 अगस्त को सवाई मानसिंह अस्पताल के पॉली ट्रोमा आईसीयू में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के लगातार प्रयासों के बावजूद रोहन की स्थिति में सुधार नहीं हो सका और 30 अगस्त को उसे ब्रेन डेड घोषित किया गया। ब्रेड डेड घोषित होने पर अस्पताल की टीम एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने रोहन के पिता अशोक शर्मा एवं अन्य परिजनों को रोहन के अंगदान करने के लिए प्रेरित किया। इस पर दु:ख की इस घड़ी में परिवार ने रोहन के अंगदान करने का साहसिक फैसला लिया। रोहन के 2 किडनी और 1 लिवर का अंगदान हुआ, जिससे 3 लोगों को नया जीवन मिला है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रोग्राम के नोडल अधिकारी डॉ. मनीष अग्रवाल ने बताया कि अंगदान की इस प्रक्रिया में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. गिरधर गोयल, डॉ. चित्रा सिंह, ऑप्टिमाइजेशन प्रभारी और कोऑर्डिनेटर प्रभारी रामप्रसाद मीणा एवं उनकी टीम के रामरतन खनगवाल, अबरार अहमद, ताराचंद, लीलम मीना, उवर्शी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धार्मिक भावनाओं का सम्मान तो क्यों बंद नहीं हुई शराब की दुकान

-आस्था तो बहाना है मुसलमानों को डराना है

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की भजनलाल सरकार नए-नए अच्छे-अच्छे फैसले लेकर जनता की भलाई के लिए, राजस्थान की प्रगति के लिए पूर्ण योगदान देने की कोशिश कर रही है।और उनके सकारात्मक परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। धीरे-धीरे काम धरातल पर दिखाई देते हुए नजर आएंगे। 5 साल में बहुत कुछ बदलने वाला है। और जो कभी नहीं हुआ था। वह भी होने वाला है। सरकार का फैसला!सोच अपनी-अपनी! इस पर चिंतन करना बहुत जरूरी है। राजस्थान सरकार के द्वारा इस वर्ष एक ऐतिहासिक फैसला लिया गया। बूचड़खाने, मांस, मछली, अंडे की दुकानों को बंद रखने का। सरकार का कहना है कि धार्मिक संगठन एवं श्रद्धालुओं की मांग पर और आस्था के नाम पर जो अभी तक राजस्थान में किसी भी सरकार द्वारा नहीं लिया गया था। फिर भी इस सरकार के द्वारा फैसला लिया गया। फिर भी लोगों ने खास तौर से मुस्लिम समाज ने राजस्थान सरकार का सराहनीय कदम माना। लेकिन,आधा अधूरा होने के कारण गरीबों के दिलों को जख्मी कर गया। 27 अगस्त 2025 पर्यूषण पर्व जैन समाज से संबंधित है। जबकि गणेश चतुर्थी को पूरा हिंदुस्तान जानता है। उसका उल्लेख नहीं किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि, जैन समाज को खुश करने के लिए यह कदम उठाया गया है।ऐसा लोगों का कहना है। दूसरा 6 सितंबर 2025 को अनंत चतुर्दशी है। जिस पर कभी भी प्रदेश में बूचड़खाने,मांस, मछली ,अंडे की दुकानें बंद नहीं हुआ करती थी। धार्मिक भावना की आड़ में गरीबों को आर्थिक रूप से मारा जा रहा है। क्योंकि मीट और अंडे की दुकानें खास तौर से गरीब तबके के लोगों की हैं। 2 दिन की बंदी सीधे जेब पर अटैक करती हैं। दूसरी तरफ शराब कारोबार एवं ठेकों से सरकार को करोड़ों की रॉयल्टी मिलती है। अमीरों की शराब की दुकानों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। जबकि लड़ाई ,झगड़े और गृह क्लेश की जड़ शराब है। उसको छूट दी गई है। यह समझ से परे है। प्रदेश की जनता राजस्थान सरकार के इस निर्णय पर,मनसा पर,संदेह प्रगट कर रही है। सरकार की आस्था पर सवालिया निशान खड़ा हो रहा है। जनता सरकार के इस निर्णय को ईमानदारी की कसौटी पर आधा अधूरा मान रही है। अब सवाल खड़ा होता है कि आस्था की विनय पर क्या राजस्थान सरकार सभी की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करेगी! क्या 5 तारीख को मुस्लिम समाज के त्यौहार मिलाद-उन- नबी पर शराब की दुकानों पर प्रतिबंध लगाएगी ! सरकार से सवाल बनता है कि जो कदम देश समाज और धर्म के नाम पर उठाया गया है। वह तब ही पूरी तरह सार्थक होगा। जब इस की संवेदनशीलता हर वर्ग, हर बुराई, और हर व्यक्ति के लिए समान हो। चाहे वह गरीब हो या मजदूर हो या शराब कारोबारी हो। अब देखने की बात यह है कि देश की राजनीतिक पार्टियां आस्था के नाम पर जनता को इसी तरह गुमराह कर राजनैतिक रोटियां सेंकती रहेगी। या सभी धर्म की आस्था का सम्मान करेंगी।

शिप्रापथ और मानसरोवर में साइबर फ्रॉड गिरोह का भंडाफोड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए जयपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा किया कि पुलिस ने शिप्रापथ और मानसरोवर थाना क्षेत्रों में सक्रिय दो बड़े साइबर फ्रॉड गिरोहों का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बताया कि ये गिरोह भोले-भाले लोगों को निशाना बनाकर ठगी करते थे। इस कार्रवाई को पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

डीसीपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस ऑपरेशन से जुड़ी और भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस तरह की साइबर ठगी को रोकने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है और जनता को भी ऑनलाइन लेन-देन में सतर्क रहने की सलाह दी। इस कार्रवाई से साइबर ठगों के हौसले पस्त होने की उम्मीद है।

यूनाइटेड मुस्लिम एड के सरवर आलम चेयरमैन चुने गए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। यूनाइटेड मुस्लिम एड, जयपुर की वार्षिक आम बैठक एवं चुनाव शनिवार, 30 अगस्त 2025 को जयपुर में सम्पन्न हुए। बैठक की शुरुआत मौलाना अबू बकर साहब द्वारा क़ुरआन-ए-मजीद की तिलावत से की गई। पूर्व चेयरमैन और पूर्व सेक्रेटरी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों पर चर्चा की। पूर्व सचिव जनाब मुजाहिद अख़्तर (एडवोकेट) ने पिछले दो वर्षों की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की चुनाव अधिकारी के रूप में सर्वसम्मति से जनाब मुमताज़ साहब की नियुक्ति की गई। सभी सदस्यों द्वारा मतदान के उपरांत चुनाव परिणाम घोषित किए गए।

2025-2027 कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी निम्नानुसार निर्वाचित हुई—

चेयरमैन: जनाब सरवर आलम साहब, सेक्रेटरी: जनाब मोहम्मद फ़हद सर्वाना साहब नवनिर्वाचित टीम को आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का समापन पूर्व चेयरमैन जनाब मुफ़्ती ज़हीर क़ासमी साहब की दुआ के साथ हुआ। बैठक में संगठन को और मज़बूत बनाने व सामूहिक एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया गया।

Reg. No. - 503 / 1998-99

Principal
Alfiya
M. 8094535201

Director
Najmunnisa
M. 9667135201
Recognised by Raj. Govt.

Safiya Public Secondary School
S.R. PUBLIC SCHOOL
SAFIYA ENGLISH SCHOOL

AIR COOLED CLASS ROOMS
CCTV CLASS ROOMS
SCHOOL ADMISSION OPEN
Nursery to Xth
English & Hindi

Facilities
- Library
- Indoor Games
- Outdoor Games
- Smart Classrooms
- Art & Craft
- Qualified & Trained Teachers
- Dance & Music Class
- Picnic & Educational Tour
- Computer Lab
- Doctor Check-up
- Free Extra Classes

E-mail: safiyapublicssschool@gmail.com
Website: www.safiyapublicschool.com

B-1024-25, Sanjay Nagar, Bhatta Basti Shastri Nagar, Jaipur
I - 27, J P Colony, Shastri Nagar, Jaipur - 302016

1500 साला जश्ने मक़सदे विलादत के साथ मनाना जरूरी है - मौलाना वली मुहम्मद शेरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । इस दुनिया में हमारे ऊपर अल्लाह तबारक व ताआला के बेशुमार एहसानात है। उनमें से सबसे बड़ा एहसान आखरी नबी की उम्मत में पैदा फरमाकर कुरान जैसी अजीम किताब-ए-हिदायत अता फरमाई हमारे नबी पर हर तरह के जुलमों सितम ढाऐ गये मक्का वालों ने कांटे बिछाऐ ताइफ वालों ने पत्थर मारे लेकिन हुजूर ने किसी से बदला नहीं लिया, बल्कि अल्लाह तआला से उनकी हिदयात के लिये दुआ मांगी क्योंकि आप सल्लल्लाओ तआला अलैहे वसल्लम इस कायनात के लिये रहमत बनकर तशरीफ लाये हम जब भी हुजूर की सीरत पर बात करते हैं तो फतह मक्का के दिन बड़े-बड़े पापियूं और दुश्मनों को आम माफी का ऐलान करने वाले रहमतुलल्लिआलमीन नजर आते हैं। आप अखलाक व किरदार का आला नमुना और हिदायत का सरचश्मा थे। लिहाजा हम सब मिलमर 1500 साला प्यारे नबी की विलादत पर बेसहारों के लिये सहारा बेवाओं यातीमों मजलूमों और खास तौर से वह जवान बेटियों जिनके माँ-बाप गरीब हैं। उनकी इज्तिमाई शादी और गरीब बच्चों के लिये तालीम हॉस्पिटल, स्कूल, कॉलेज का इन्तिजाम और जगह-जगह लंगरे रसूल तकसीम करके हुजूर की गुलामी का सुबूत पेश करके अजरो सवाब हासिल करें। यह बात रविवार को ख्वाजा नगर अमृतपुरी में स्थित मदरसा गुलशने हुसैन में आयोजित प्रोग्राम में काज़ी ए अहले सुन्नत हाफिज मौलाना वली मुहम्मद शेरी खतीबो इमाम नूरानी मस्जिद ने कही अंजुमन मोहिब्बाने अहलेबैत के सदस्य हाजी अब्दुल मुगनी पाटी अन्सारी, हाजी मोहम्मद कासिम अन्सारी, हाजी अब्दुल मुस्तफा अन्सारी (तंजेनाईट), फरीदउद्दीन अन्सारी, अब्दुल मुगनी अन्सारी, हाजी मोहम्मद जावेद अन्सारी, माईनुद्दीन अन्सारी, मोहम्मद आरिफ अन्सारी, हाजी मोहम्मद याकूब मन्सूरी, हाजी अब्दुल अजीज मन्सूरी, हाजी मिर्जा रजा अहमद ने बताया के हर साल की तरह इस साल भी 1500 साला जुलूस-ए- मीलादुन्नबी 5 सितम्बर 2025 बाद नमाजे जुमआ नूरानी मस्जिद से निकाला जाऐगा। वार्ड नम्बर 88 के पार्षद रईस कुरैशी ने बताया 1500 साला जुलूस-ए-मीलादुन्नबी का हर चौराहे पर इस्तिकबाल होगा। बड़ी तादाद में आशिकाने रसूल शिरकत करेगें। जुलूस तोपखाने के रास्ते से माथुरा वालों की हवेली के सामने पहुंचेगा। जहाँ हर साल की तरह माथूरा वालों की जानिब से जुलूस का इस्तिकबाल होगा। उसके बाद जुलूस करबला पहुंचेगा फिर बाद नमाजे मगरीब दुआ होगी।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी 5 सितंबर को

-4 सितंबर होगे विभिन्न कार्यक्रम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन, जश्ने ईद मिलादुन्नबी की तैयारियाँ जयपुर में जोरों पर हैं। आयोजकों ने बताया कि यह पर्व 5 सितंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा, जबकि इससे जुड़े विभिन्न कार्यक्रम 4 सितंबर से ही शुरू हो जाएँगे। आयोजकों ने बताया कि इस बार के जश्न में पैगंबर साहब के जीवन परिचय पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि लोग उनके संदेशों और शिक्षाओं को समझ सकें। आयोजन की शुरुआत 30 अगस्त की रात बड़ी चौपड़ पर होने वाले एक भव्य 'नातिया मुशायरे' से होगी, जिसमें मशहूर शायर अपनी रचनाएं पेश करेंगे।पर्व का मुख्य कार्यक्रम 5 सितंबर को होगा, जब 'जुलूस-ए-मोहम्मदी' निकाला जाएगा। इस जुलूस के लिए कुछ खास नियम तय किए गए हैं। आयोजकों ने बताया कि जुलूस में डीजे और दुपहिया वाहनों पर पाबंदी रहेगी, ताकि जुलूस शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

शिव शक्ति कॉलोनी की जनता सड़कों पर होटल द्वारा रास्ता बंद करने के विरोध में प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर की शिव शक्ति कॉलोनी के निवासियों ने एक होटल द्वारा सार्वजनिक रास्ता बंद करने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। यह घटना जयपुर के जोरावर सिंह गेट इलाके में हुई, जहाँ गुस्साए लोगों ने सड़कों पर उतर कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि होटल प्रबंधन ने कोर्ट से मिले 'स्टे' के बावजूद रास्ते को बंद कर दिया है। इसे उन्होंने न्यायपालिका को एक खुली चुनौती बताया। निवासियों का कहना है कि होटल की इस मनमानी से उनके आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने और कोर्ट के आदेश का पालन कराने की मांग की है। वे चाहते हैं कि उनके लिए बंद किया गया रास्ता जल्द से जल्द खोला जाए।

बगरू में हुआ करियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन

- 4 हजार से ज्यादा आशार्थियों ने लिया भाग, मौके पर ही मिला नियुक्ति पत्र
- 60 निजी नियोजकों ने 3 हजार 500 रिक्तियों के लिए युवाओं को दिया मौका

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, जयपुर एवं राजकीय महाविद्यालय, बगरू के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को एक दिवसीय करियर मार्गदर्शन एवं रोजगार सहायता शिविर का आयोजन राजकीय महाविद्यालय, बगरू परिसर में किया गया। शिविर का शुभारंभ बगरू विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने किया। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय जयपुर की उपनिदेशक श्रीमती नवरेखा ने बताया भारी बारिश के बावजूद शिविर में कुल 4 हजार 207 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। निर्माण, लॉजिस्टिक, होटल, बैंकिंग, मेडिकल, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, कॉल सेंटर, बीमा आदि क्षेत्रों से जुड़े 60 निजी नियोजक अपनी 3 हजार 500 रिक्तियों के साथ उपस्थित हुए। मौके पर ही 1 हजार 105 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन किया गया तथा 343 अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण हेतु चयन कर कुल 1 हजार 448 अभ्यर्थियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में स्वरोजगार एवं कैरियर मार्गदर्शन संबंधी परामर्श भी प्रदान किया गया। साथ ही इस अवसर पर उपनिदेशक श्रीमती नवरेखा ने रोजगार विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर 10 नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए तथा रोजगार सृजन में योगदान देने वाले 5 निजी नियोजकों को सम्मानित किया गया। विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति एवं युवा शक्ति ही विश्व को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि असफलताओं से निराश न होकर उन्हें सफलता की सीढ़ी बनाएं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और आगामी वर्षों में 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियां तथा करीब 1 लाख 50 हजार निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। इस आयोजन में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लेकर योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कनिष्ठ रोजगार अधिकारी चंद्रप्रकाश मीणा सहित अन्य कार्मिकों का योगदान रहा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के कुलसचिव वीरेन्द्र वर्मा, हरदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव बी.एल. मेहरड़ा, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं बड़ी तादाद में आमजन ने शिरकत की।

वकी अहमद बने अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता

-वर्तमान में एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर में वरिष्ठ रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष हारून खान ने समर्पित कर्मचारी नेता वकी अहमद को अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान संघटन का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। वकी अहमद वर्तमान में एस एम एस मेडिकल कॉलेज जयपुर में वरिष्ठ रेडियोग्राफर के पद पर कार्यकर्ता है एवं रेडियोग्राफर सोसायटी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष भी है। वकी अहमद को अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ में प्रदेश प्रवक्ता बनने पर जयपुर जिला अध्यक्ष मोहम्मद उमर कोटा जिला अध्यक्ष गुलमोहम्मद अंसारी अलवर जिला अध्यक्ष यासीन खान जोधपुर जिला अध्यक्ष इकबाल अली रंगरेज पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष उजागर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविंदर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद मसीह वरिष्ठ नेता आरिफ चहेड़िया पूर्व सेकेट्री मदरसा बोर्ड सऊद अख्तर अब्दुल रज्जाक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत सीनियर एडिशनल डायरेक्टर जीपीएफ विभाग सहित आदि पदाधिकारियों ने मुबारकबाद दी।

जुलुस-ए-मुहम्मदी का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इण्डिया उलमा व मशाईख बोर्ड फैजाने गरीब नवाज कमेटी, कुरैशी कॉलोनी, चाँदपोल के को-ओर्डीनेटर हाजी सगीर अहमद (लल्लू भैया) के अनुसार 1500वां जश्ने ईद मिलादुल नबी के मौके पर जुलुस-ए-मुहम्मदी का 5 सितम्बर, 2025 को आयोजन किया गया है । जुलुस-ए-मुहम्मदी कालवाड, बैनाड, झोटवाडा, खातीपुरा, भांकरोटा, हसनपुरा 4 नं. डिस्पेन्सरी, सोडाला, गुर्जर की थड़ी, सी स्कीम, बाईस गोदाम, हथरोई, जालूपुरा, हमीद नगर तोपखाने का रास्ता, हाजी कॉलोनी, नाहरी का नाका, पानी पेच, भटटा बस्ती, विद्याधर नगर, शास्त्री नगर का इस्तकबाल कुरेशी कॉलोनी संजय सर्किल चाँदपोल पर होगा। संजय सर्किल चाँदपोल से कुरैशी कॉलोनी के नेतृत्व में शाम 4 बजे रवाना होते हुए बगरू वालों के रास्ते से छोटी चोपड़, बड़ी चौपड़, रामगंज, चौपड़, चार दरवाजा, सुभाष चौक, रामगढ़ मोड़ से कर्बला पहुंचेगा।

दोस्ताना ग्रुप की गोठ आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दोस्ताना ग्रुप की ओर से मौसम-ए-बहार दोस्ताना गोठ का आयोजन 28 अगस्त गुरूवार को लाल बहादुर शास्त्री नगर में किया गया । इस गोठ में दोस्ताना ग्रुप के अध्यक्ष रशीद खान (गुन्सी भाई), उपाध्यक्ष मोहम्मद रमज़ान खान, सचिव अय्यूब खान, उप सचिव जमील खान, कोषाध्यक्ष मेहबूब अली, उप कोषाध्यक्ष मेहबूब खान, सलाहकार मंत्री ज़ाकिर अली (जक्की) के साथ-साथ सैकड़ों लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । गोठ के दौरान फ़िल्मी गानों का एक रंगा-रंग कार्यक्रम भी रखा गया । जिसमें आये हुए सभी लोगों ने आनन्द लिया और पूरा पंडाल गानों के साथ झूमता रहा । गोठ में शामिल सभी लोगों ने इस कार्यक्रम की खूब वाहवाही की गई ।

एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त 24 वाहनों की खुली बोली के द्वारा नीलामी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि पुलिस आयुक्त जयपुर आयुक्तालय के द्वारा मालखाना निस्तारण के संबंध में राज्य सरकार व पुलिस मुख्यालय के द्वारा पुलिस थानो में खड़े वाहनो एवं मालखाना मदो का त्वरीत निस्तारण हेतु अभियान चलाया जाकर मालखाना निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिस पर पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के निर्देशन में आलोक सिघंल अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के नेतृत्व में जिला जयपुर पश्चिम से जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा जिला जयपुर पश्चिम के समस्त पुलिस थानो से एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्तशुदा वाहनो के निस्तारण हेतु पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एसओपी व गजट नोटिफिकेशन के अनुसार पत्रावली तैयार कर एनडीपीएस प्रकरणो में जब्तशुदा वाहनो की निलामी की विज्ञप्ति समाचार पत्र में प्रकाशित करवाया जाकर खुली बोली द्वारा पुलिस थाना झोटवाडा व विश्वकर्मा जयपुर पश्चिम पर दिनांक 29.08.2025 को पुलिस थाना झोटवाडा, करधनी, बगरू, भांकरोटा, कालवाड, करणीविहार, वैशाली नगर, विश्वकर्मा, हरमाडा, सदर के प्रकरणो में जब्तशुदा दुपहिया एवं चोपहिया वाहनो कुल 24 वाहनो की जिला स्तरीया कमैटी के द्वारा निलामी करवायी गई। निलामी में कुल 24 वाहनो को 28,58,900/- रूपये की कीमत में निलाम करवाये जाकर राजस्व प्राप्त किया गया।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।
-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

नेताओं का भ्रष्टाचार देश के लिए घातक !

राजस्थान प्रदेश के कददावर नेताओं के एक-दूसरे पर लेनदेन के आरोप प्रदेश और देश की राजनीति में गिरते स्तर की ओर इंगित करते हैं। राज्यसभा में प्रत्याशी को पैसे लेकर वोट देना, विधानसभा और संसद में किसी बिल या प्रस्ताव पर पैसे लेकर समर्थन करना, विधानसभाओं और संसद में पैसे लेकर प्रश्न पूछना राजनीति में आम बात हो गई है। वोट काटने के लिए पार्टी बनाकर उम्मीदवार खड़ा करना, मजबूत उम्मीदवारों को वोट काटकर हराना, वोटरों को प्रलोभन देना और उसके बदले कीमत वसूल करना जैसी गतिविधियां नेताओं में अक्सर देखी जा सकती हैं। राजनीति को वर्तमान नेताओं ने व्यवसाय बना दिया है। देश में राजनीति के कारण जितना नुकसान हो रहा है, उतना किसी और कारण से नहीं हो रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां, व्यवसायी नेताओं के जरिए अपने हित साध रहे हैं। वर्तमान में बड़ी-बड़ी कंपनियां और व्यवसायी देश की सरकार बनाने और बिगड़ने की स्थिति में पहुंच गए हैं। देश में कई बिजनेस घराने ऐसे हैं जिनके कारण सरकारें बन रही हैं और बिगड़ रही हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी कई बार आरोप लगा चुके हैं कि मोदी सरकार अडानी और अंबानी को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। आरोप गंभीर हैं लेकिन कोई कुछ नहीं कह पा रहा है। सरकार में दखल रखने वाली कंपनियों को करोड़ों, अरबो रुपए के टेंडर आसानी से मिल रहे हैं। कंपनियों से सरकार में बैठे नेताओं और अधिकारियों को पैसा कमीशन के रूप में मिलता है। देश में खाद्य वस्तुएं, दवाइयां, कपड़े बड़े पैमाने पर घटिया या मिलावट करके बेचे जा रहे हैं। इन पर कोई कंट्रोल नहीं है या यह कहा जा सकता है कि सरकारी संरक्षण में यह सब किया जा रहा है। जनता बेबस है, कुछ नहीं कर पा रही है। पहले चुनाव में वोट देकर उम्मीदवार बदल देती थी। लेकिन अब जनता से भी वोट देकर नेता बदलने का अधिकार छीना जा रहा है। वोटर लिस्ट में फर्जी तरीके से वास्तविक वोटो को किसी न किसी बहाने हटा दिया जाता है और फर्जी वोटरों को जोड़ दिया जाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि देश में लोकतंत्र की आड़ में धीरे-धीरे तानाशाही आती जा रही है। क्योंकि एक बार कोई भी नेता विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन जाता है। वह पहले तो हटना नहीं चाहता और कोई हटाने की कोशिश करता है तो किसी भी प्रकार पदों पर कब्जा करने की कोशिश करता है। नेताओं पर देश के कानून कुछ ज्यादा असर कारक नहीं है। भाजपा नेता और मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सांसद हनुमान बेनीवाल पर राज्यसभा उम्मीदवार पैसा लेकर वोट देने की बात कही। वैसे तो प्रकरण की जांच होनी चाहिए और कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। उसी तरह सांसद हनुमान बेनीवाल ने मंत्री किरोड़ी लाल मीणा पर खाद बीज व्यवसायिक ठिकानों पर छापे मारने का मकसद पैसा वसूली बताया। यह भी गंभीर आरोप है और जांच का विषय है। लेकिन कुछ होना जाना नहीं है। सरकार नेताओं के नियंत्रण में है और जांच करने वाली एजेंसी नेताओं के इशारों पर काम करती है। जांच एजेंसियां थोड़ी बहुत जांच विपक्षी नेताओं की जरूर कर सकती है लेकिन सत्ता पक्ष के नेताओं की ओर देखना उनके वश की बात नहीं है।

क्या मुसलमानों में फिरके इमामों ने बनाए

इस्लाम में प्रसिद्ध चार इमामों से पहले मुसलमान अपने धार्मिक और कानूनी मामलों को मुख्य रूप से तीन आधारों पर सुलझाते थे: 1. कुरान, 2. सुन्नत (पैगंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहोअलैवसल्लम), और 3. सहाबा (पैगंबर के साथी) के इज्तिहाद (स्वतंत्र तर्क जो क़ुरान, सुन्नत और इल्म पर आधारित होता है) ।

कुरान: यह अल्लाह द्वारा पैगंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहोअलैवसल्लम पर नाजिल मुक़द्दस किताब है। इसमें इबादात से लेकर सामाजिक और वित्तीय लेनदेन (मुआमलात) तक, ज़िन्दगी के विभिन्न पहलुओं के लिए नियम और रहनुमाई शामिल हैं ।

सुन्नत: यह पैगंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहोअलैवसल्लम के शब्दों, कार्यों और अनुमोदनों से बनी है। यह कुरान में दिए गए संक्षिप्त नियमों का एक विस्तृत स्पष्टीकरण और व्यावहारिक उदाहरण है । इज्तिहाद और सहाबा का अनुसरण: जब कुरान और सुन्नत में किसी नए मुद्दे का स्पष्ट उत्तर नहीं मिलता था, तो विद्वान और विशेष रूप से सहाबा, इज्तिहाद का उपयोग करके एक निष्कर्ष पर पहुँचते थे । इस प्रक्रिया में, वे तर्क और विश्लेषण का उपयोग करके नए मामलों के लिए कानूनी निर्णय निकालते थे। इस तरह चार इमामों की आमद से पहले मुसलमान अपने दीनी और समाजी मामलातों, मसाहिल के हल क़ुरान, हदीस और इज्तिहाद से निकालते थे। उस दौर में कोई फिरका नहीं था और ना ही कोई मसलक था। हांलांकि उस दौर में भी कई मुस्लिम औलमा मौजूद थे जैसे हसन अल-बसरी - जन्म 642, मदीना, मृत्यु 728, बसरा में । प्रसिद्ध इस्लामी विद्वान, उपदेशक, और तपस्वी , इस्लाम में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक हस्तियों में से एक थे। अबू बक्र मुहम्मद इब्न सिरिन अल-अंसारी (33-110 हिजरी; 654-728 ईस्वी), इनका जन्म बसरा में हुआ था ।

आज सुन्नी इस्लामिक जगत में चार प्रसिद्ध

इमामों को प्रमुखता से माना जाता है, जो सुन्नी मुसलमानों के लिए मार्गदर्शन का स्रोत हैं। ये इमाम हैं: इमाम अबू हनीफ़ा, इमाम मालिक, इमाम शाफ़ई, और इमाम अहमद इब्न हंबल । ये इमाम अपने-अपने समय में इस्लामी न्यायशास्त्र (फिक़्ह) के प्रमुख विद्वान थे, और उनके द्वारा फिक़्ह ,इस्लामिक कायदे कानून आज भी दुनिया भर के सुन्नी मुसलमान मानते हैं।

चारों इमामों का संक्षिप्त परिचय:

इमाम अबू हनीफा : (जन्म 699 ईस्वी, मृत्यु 767 ईस्वी) इन्हें ताबईन में से एक माना जाता है, जिसका अर्थ है कि उन्होंने पैगंबर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहोअलैवसल्लम के साथियों को(जलीलौक़द्र सहाबा को) देखा था। हनफ़ी मसलक तुर्की, भारतीय उपमहाद्वीप, मध्य एशिया आदि में अधिक प्रचलित है।

इमाम मालिक : (जन्म 711 ईस्वी, मृत्यु 795 ईस्वी) वे मदीना के एक प्रमुख विद्वान थे, और उन्होंने हदीस और फिक़्ह पर महत्वपूर्ण काम किया। इमाम मालिक र अ ने मुवत्ता नामक प्रसिद्ध हदीस संग्रह लिखा है।इनके अनुयायी मालिकी कहलाते हैं, और उनको मानने वाले अफ्रीका, मग़रिब (मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनिशिया, लिबिया) और कुछ अरब देशों में ज्यादा पाये जाते हैं।

इमाम शाफ़ई : (जन्म 767 ईस्वी, मृत्यु 820 ईस्वी) इनके मानने वाले शाफ़ई कहलाते हैं। वे इमाम मालिक के शिष्य थे, और उन्होंने फिक़्ह के सिद्धांतों को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मिस्र, यमन, पूर्वी अफ्रीका (सोमालिया, केन्या), इंडोनेशिया, मलेशिया आदि में शाफ़ई मसलक ज़्यादा प्रचलित है।

इमाम अहमद इब्न हंबल : (जन्म 780 ईस्वी, मृत्यु 855 ईस्वी) इन्हें मानने वाले हम्बली कहलाते हैं। इमाम हम्बली , इमाम शाफ़ई के शिष्य थे, और इन्होंने हदीस और फिक़्ह पर बहुत अधिक ध्यान दिया। इन्होंने मुस्नद अहमद नामक प्रसिद्ध हदीस संग्रह संकलित किया। उनके अनुयायी हम्बली कहलाते हैं। हम्बली मसलक के मुस्लिम सऊदी अरब और खाड़ी देशों में ज्यादा पाये जाते हैं।

ईस्वी सन 699, 711, 767और 780 में जन्म तथा 767, 795, 820और 855 तक लगभग 82 वर्षों के दौरान चारों इमामों का जन्म हुआ और 89 वर्षों की अवधि में चारों इमामों ने फिक़्ह और उसूलों पर काम भी किया और इस्लामी न्यायशास्त्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कुरान और हदीस (हुज़ूरेपाक मोहम्मद सल्लल्लाहोअलैवसल्लम ने जो कहा और जो किया वो सभी हदीस है) के आधार पर कानूनी नियमों और सिद्धांतों को विकसित किया। उनके द्वारा स्थापित फिक़्ह और इस्लामिक उसूलों ने दुनिया भर के मुसलमानों के जीवन को प्रभावित किया है, और आज भी उनके विचारों का अध्ययन और पालन किया जाता है।

चार इमामों के बीच अंतर:

हालांकि चारों इमाम सुन्नी इस्लामी जगत के लिए मान्य हैं, फिर भी चारों इमामों की बातों में कुछ अंतर हैं। ये अंतर कानूनी पद्धति और तर्क में भिन्नता के कारण हैं। इसके बावजूद ये सभी फर्क कानूनी तौर सही माने जाते हैं। यानी चारों इमामों की बातों में अंतर होते हुए भी चारों इमाम की बातों को सही और इस्लाम के उसूलों के मुताबिक माना जाता है। किसी भी इमाम के फतवों और उसूलों को ग़लत नहीं माना जाता और कभी भी किसी भी इमाम ने आपस में किसी भी इमाम की बातों को ग़लत होने की बात कभी नहीं कही । यानी इमाम अबू हनीफा र अ की कही बात किसी भी अन्य इमाम ने ग़लत नहीं बताई और इसी तरह दूसरे इमामों की कही कोई बात ग़लत होना बताया। आज के मौजूदा दौर में मुस्लिम जगत को यह बात जानना ज़रूरी है। मुस्लिम औलमा ए दीन , मौलवियों और मुफ्तियों को यह बात कि इस्लाम के इमामों ने आपस में किसी भी इमाम की बातों को ग़लत नहीं बताया है , बताया जाना चाहिए। यह महत्वपूर्ण तथ्य मुस्लिम जगत के नौजवानों में खासतौर पर फैलाया जाना ज़रूरी है ताकि किसी भी किस्म का आपसी इख़्तिलाफात इस्लाम के मानने वालों में ना हो। "क्या चारों इमामों को एक साथ माना जा सकता है?" यह एक मज़हबी मामूली सवाल नहीं है। इसका जवाब है, हाँ, लेकिन कुछ खास शर्तों के साथ । कोई भी व्यक्ति अलग-अलग इबादत या लेनदेन के लिए अलग-अलग इमामों का पालन कर सकता है , जैसे एक व्यक्ति नमाज़ के लिए हनफ़ी उसूलों का पालन कर सकता है और हज के लिए हंबली उसूलों का । इसी तरह मिसाल के तौर पर ज़कात के लिए हनफ़ी नियम का पालन करना और वुज़ू के लिए शाफ़ई नियम का पालन करना । एक नमाज़ी जो विपरीत लिंग के फर्द को छूने से वुज़ू टूटने के शाफ़ई नियम को नहीं मानता और खून बहने से वुज़ू टूटने के हनफ़ी नियम को भी नहीं मानता । मगर जब कोई व्यक्ति सिर्फ अपनी सहुलियत के लिए अलग-अलग नियमों (उसूलों) को चुनता और मिलाता है, तो वह धार्मिक कर्तव्य के बजाय अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं का पालन करता है। इस तरह का व्यवहार इस्लामी कानून के मूल उद्देश्य को कमजोर करता है । इस नज़रिए से, तल्फ़ीक़(मिलाना, मिक्स करना) को "धर्म के साथ खिलवाड़" माना गया है ,क्योंकि इससे दीनी ईमान कमज़ोर होता है , लेकिन बहुत से उलमा (जैसे इमाम नववी, इब्नल क़ैयिम, शौक़ानी रहिमहुमुल्लाह वग़ैरह) ने कहा है कि किसी मुसलमान के लिए एक मसले में एक इमाम और दूसरे मसले में दूसरे इमाम की बात लेना , मानना जायज़ है, अगर वह दलील की बुनियाद पर हो। अगर कोई शख़्स यह सोचकर मसलक बदलता है कि "मुझे कौन सा हुक्म ज़्यादा सहीह हदीस या दलील के क़रीब लगता है" तो यह जायज़ है, लेकिन अगर कोई यह सोचकर बदलता है कि "कहाँ आसानी मिलती है, कौन सा हुक्म मेरे नफ़्स को आराम देता है" □ यह हवस की पैरवी है, और हवस की पैरवी को क़ुरआन ने मना किया है। मुसलमानों में फिरके इमामों ने नहीं बनाए, बल्कि ये तारीखी, सियासी, और मज़हबी इख़्तिलाफात की वजह से बने हैं। इमामों का काम रहनुमाई करना था, लेकिन उनके बाद उनके मानने वालों ने उनकी शिक्षाओं और व्याख्याओं को अलग-अलग तरीकों से समझा, जिससे अलग-अलग समूह बन गए। इस तरह कह सकते हैं कि मुसलमानों में इमामों ने फिरके नहीं बनाए। सबसे पहले शिया और सुन्नी फिरके बने जिसका कारण सियासी रहा। इसी तरह इमामों ने कुरान और हदीस की तफसीर, तशरीह और वजाहत करने के तरीकों में फर्क होने से भी कई फिरके बने। फलसफे, फ़िक्र और नज़रिए के एतबार से भी फिरके बने हैं।

-फ़ज़लुर्रहमान

(पिछले अंक से जारी)

जिंदगी मुख्तलिफ शुअरा की नजर में.....

हमारी जिंदगी अल्लाह तआला का अता कर्दा एक हसीन तोहफा है। इसमें करने की कोई जरूरत नहीं यह बुज़दिली है । इंसान अपनी जिंदगी को आला से आलातर बना सकता है अगर वो अल्लाह के एहकाम के मुताबिक अपनी जिंदगी गुजारने का अज्म करे । उसके एहकामात पर अमल करने से उसकी जिंदगी खुशगवार बन सकती है और वो जिंदगी में हर खुशी हासिल कर सकता है । अगर इंसान रब चाही जिंदगी नहीं गुज़ारता है और मनचाही जिंदगी गुज़ारता है तो उसको मायूसी और नाकामी के सिवा कुछ नहीं मिलता । ऐसे इंसान को जिंदगी एक सजा मालूम होती है। उर्दू के एक शायर ने इस कैफियत को एक शेर में इस तरह से बयान किया है-

ए खुदा तूने अपने बंदों को
जिंदगी की बड़ी सज़ा दी है।

जिंदगी को हमको बड़ी सज़ा नहीं मानना चाहिए, बल्कि इसको अपने आमाल, आदत से खूब से खूबतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए । जिंदगी में चाहे जितनी आफतें, मुसिबतें, अजीयतें, तकलीफें है और मुश्किलात आयें, उनको कभी भी अपने ऊपर सवार होने का मौका नहीं देना चाहिए । बल्कि उनको बर्दाश्त करने और दूर करने की हर मुमकिन और आला ज़फ़र्ी, बुर्दबारी और हिम्मत के साथ पेश आने वाले हालात, वाकियात और हादसात को बगैर किसी शिकवे और शिकायत के सब्र व तहम्मुल और खुद्दारी के साथ बर्दाश्त करके उनको हल करने की कोशिश करनी चाहिए । क्योंकि एक पत्थर मुसल्सल चोटों यानि तराशने के बाद ही बुत का दर्जा हासिल करता है, लोग उसकी पूजा करने लगते हैं सब उसके आगे झुकते हैं । जिंदगी के इस पहलू को एक शायर ने इस तरह बयान किया है-

संग (पत्थर) क्या है एक सराया
इंतजारे बुत तराश
जिंदगी का ख्वाब लोगों यूं भी देखा जाए है।

इंसान अपनी जिंदगी दूसरों के लिए जितनी मेहनत, मशक्कत, उनकी इमदाद करता है इससे माशेर में उसकी इज्जत बढ़ती है, जब इंसान मोहब्बत वाहमी इमदाद को अपनी जिंदगी का शेवा (मकसद) बना लेता है हकदारों का हक अदा करता है । अपनी जात से किसी को दख तकलीफ नहीं पहुंचाता है और अपना माल दीन और दुनिया दोनों के कामों में खुशी-ख़ुशी खर्च करता है और कोई एहसान नहीं करता । दूसरों के अलावा अपनी खुद की जिंदगी में पेश आने वाले गमों और दुखों का शिकवा जबान पर नहीं लाता, बल्कि इनको अपने रब का एक इनाम समझकर बखुशी सब्र करता है और खूब से खूबतर करने की कोशिश करता और उम्मीद रब से रखता है तो उसकी जबान पर ग़ालिब का यह शेर उसकी जवान पर वालिहाना आ जाता है जो इस तरह है-

जान दी हुई उसी की थी
हक़ तो यह है कि हक़ अदा ना हुआ ।इंसानी जिंदगी में अक्सर ऐसे मौके और हालात पेश आते हैं जिनकी वजह से मायूस हो जाता है और अपनी नाकामी से अपने आप पर उसको झुँझल आती है । उसकी मिजाज में चिढ़चिढ़ापन आता है हमेशा अफ़सुर्दा रहता है । किसी काम में उसका दिल नहीं लगता हर वक्त उसका मन भारी रहता है । दूसरे लोगों को देखकर उसका दिल दुखी हो जाता है और अपनी बदनसीबी, कम मायगी और दिमागी सुकून दरहम बरहम होने पर कफे अफ़सोस मलता रहता है । ऐसी हालत में हर एक अपनी जिंदगी की नाकामियों की शिकायत करता है । ऐसे इंसान को एक शायर अपने शेर से उसको दिलासा देता, उसकी हिम्मत बढ़ाता और उसके मुर्दा दिल में इस तरह जान डालता है, उसके दिल में एक उम्मीद की किरन जगाता है और जिंदगी में हमेशा जिंदा दिल रहने का मशवरा देता है, जो इस तरह है-

जिंदगी जिंदा दिली का नाम है
मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते हैं।

-शेष अगले अंक में

आजाद हिंद फौज की स्थापना

आजाद हिंद फौज, जिसे भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) के नाम से भी जाना जाता है, की स्थापना सुभाष चंद्र बोस ने 1 सितंबर 1942 में दक्षिण पूर्व एशिया में की थी। द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत से पहले जापान और दक्षिण पूर्व एशिया निर्वासित भारतीय राष्ट्रवादियों के लिए महत्वपूर्ण आश्रय स्थल थे। उसी समय जापान ने मलायी सुलतानों, विदेशी चीनी समुदाय, बर्मी प्रतिरोध और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से समर्थन प्राप्त करने के लिए, विशेष रूप से मेजर इवाइची फुजिवारा के नेतृत्व में दक्षिण एशिया में खुफिया मिशन भेजे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सन 1942 में जापान की सहायता से टोक्यो में भारत को अंग्रेजों के कब्जे से स्वतंत्र कराने के लिए आजाद हिंद फौज या इंडियन नेशनल आर्मी (INA) नामक सशस्त्र सेना का गठन हुआ। इस सेना के गठन में कैप्टन मोहन सिंह, रासबिहारी बॉस एवं निरंजन सिंह गिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आजाद हिंद फौज की स्थापना का विचार सर्वप्रथम मोहन सिंह के मन में आया था। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस सहित उनके सभी सहयोगियों ने जापान की सहायता से भारतीय युद्ध बंदियों और प्रवासी भारतीयों को एकत्रित किया। बोस ने 1943 में आईएनए का नेतृत्व संभाला और इसे एक शक्तिशाली सैन्य बल में बदल दिया। आजाद हिंद फौज का मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश शासन से भारत को मुक्त करना था। बॉस ने अपने अनुयायियों को "जय हिंद" का अमर नारा दिया और 21 अक्टूबर 1943 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अस्थाई सरकार "आजाद हिंद सरकार" की स्थापना की। नेताजी की आईएनए ने जापान के साथ मिलकर ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आजाद हिंद फौज की संरचना में कई इकाइयाँ शामिल थीं, जिनमें से कुछ प्रमुख थीं, महिला रेजिमेंट जिसे झांसी रानी रेजिमेंट भी कहा जाता था, इसकी कमान लक्ष्मी सहगल को सौंपी गई थी। इन्फैंट्री रेजिमेंट इसमें कई बटालियन शामिल थीं जिन्होंने ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जिनमें से कुछ प्रमुख थीं। इम्फाल की लड़ाई यह लड़ाई 1944 में हुई थी और इसमें आईएनए ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अन्य लड़ाइयाँ आईएनए ने कई अन्य लड़ाइयों में भी भाग लिया, जिनमें ब्रिटिश सेना को कड़ी चुनौती दी गई। आजाद हिंद फौज की विरासत भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत महत्वपूर्ण है। इसने भारतीयों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया और देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आजाद हिंद फौज की स्थापना और इसके कार्यों ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी। सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आईएनए ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी और देश की आजादी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। सिंगापुर के एस्प्लेनेड पार्क में आजाद हिंद फौज के गुमनाम शहीदों की याद में "आईएनए वार मेमोरियल" बनाया हुआ है।

5 सितंबर पुण्यतिथि पर विशेष....

मदर टेरेसा- एक महान आत्मा

मदर टेरेसा का जन्म मेसिडोनिया देश में 26 अगस्त 1910 को हुआ था। उनका असली नाम एगनेस गोकंशे बोजाशीयू था। वह एक क्रिश्चियन महिला थी। मदर टेरेसा 18 वर्ष की उम्र में नन बनकर कोलकाता आई थी, जहां इन्होंने झोपड़पट्टी में रह रहे गरीब लोगों वह कुष्ठ से पीड़ित लोगों का दुख अनुभव किया और उसके बाद उन्होंने सदा भारत में रहकर गरीब असहाय और पीड़ित लोगों की सेवा का संकल्प लिया। उन्होंने निर्मल हृदय वह मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की और समर्पित सिस्टर की एक बड़ी तादाद तैयार की। जिनके सहयोग से उन्होंने एक मां की तरह अपना सारा जीवन गरीब और बीमार लोगों की सेवा में लगा दिया। वह हमेशा खुद को ईश्वर की एक समर्पित सेवक मानती थी अपने महान कार्यों की वजह से मदर टेरेसा जल्द ही गरीबों असहाय पर बीमार लोगों के बीच मदर व मसीहा के रूप में प्रसिद्ध हो गई। मदर टेरेसा को "एक महिला एक मिशन" के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने दुनिया बदलने के लिए बहुत बड़ा कदम उठाया था। उन्होंने गरीबों की सेवा के लिए कई सारे अनाथालय व अस्पताल खोले जो आज भी गरीबों की सेवा में कार्यरत है मानव जाति की उत्कृष्ट सेवा के लिए मदर टेरेसा विश्व भर में ढेर सारे अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजी गई, उनमें से कुछ जैसे भारत सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार, भारत रत्न पुरस्कार तथा विश्व पटल पर नोबेल शांति पुरस्कार तथा ईसाई समाज

द्वारा संत की उपाधि से नवाजी गई। उनके द्वारा प्रारंभ की गई गरीबों असहाय लाचार वह बीमारों की सेवा से सेवा में आज 4000 के करीब सिस्टर, 300 सहयोगी संस्थाएं विश्व के 123 देशों में इस वृहत सामाजिक सेवा के कार्यों में लगे हुए हैं। इस महान आत्मा की गरीबों की सेवा करते-करते ही 5 सितंबर 1997 को मृत्यु हो गई। पोप जॉन पॉल द्वितीय ने उनके महान कार्यों को याद करते हुए रोम में 19 अक्टूबर 2003 को इन्हें "धन्य" घोषित किया।

इस्लाम में साफ़-सफ़ाई की अहमियत

वही है जिसने मौत और ज़िंदगी को पैदा किया ताकि वह आज़माए कि तुम में सबसे अच्छे अमल वाला कौन है।"
क़ुरआन, सूरह अल-मुल्क 67:2)
क़ुरआन की यह आयत साफ़ करती है कि इंसान की ज़िंदगी का असल मक़सद नेक और बेहतर अमल करना है। लेकिन बेहतर अमल वही है, जिसमें इंसान बाहर से भी पाक (स्वच्छ) हो और भीतर से भी। इसीलिए इस्लाम ने तहारत (पाकीज़गी) को ईमान का हिस्सा क़रार दिया है।

तहारत का मतलब

'तहारत' का अर्थ है — गंदगी और नापाकी से पाक होना।
यह गंदगी केवल बाहरी (जैसे बदन या कपड़ों पर मैल) ही नहीं, बल्कि अंदरूनी (दिल और नफ़्स की गंदगी) भी है।
इस्लाम चाहता है कि इंसान हर तरह से पाक हो — ज़ाहिरी भी और बातिनी भी।
बातिनी तहारत (आंतरिक स्वच्छता)

ईमान की पाकीज़गी

क़ुरआन कहता है:
"हमें कोई मुसीबत नहीं आ सकती सिवाय उस के जो अल्लाह ने हमारे लिए लिख दी है।"
(सूरह अत-तौबा 9:51)
एक हदीस में पैग़म्बर मुहम्मद □ ने फ़रमाया:
"अगर पूरी दुनिया मिलकर तुम्हें फायदा देना चाहे, तो नहीं दे सकती जब तक अल्लाह न चाहे।"
(तिर्मिज़ी 2516)
जब इंसान मुश्किल वक्त में अल्लाह पर भरोसा रखे तो उसका ईमान पाक माना जाता है। इसके विपरीत, जिनका ईमान कमज़ोर होता है, वे छोटी-सी आज़माइश भी सहन नहीं कर पाते। WHO की रिपोर्ट बताती है कि हर साल दुनिया में लगभग 7,20,000 लोग आत्महत्या कर लेते हैं।

दिल की पाकीज़गी

क़ुरआन कहता है: "जिस दिन न माल काम आएगा, न औलाद — सिवाय उसके जो अल्लाह के पास पाक दिल लेकर आएगा।"
(सूरह अश-शु'आरा 26:88-89)
पैग़म्बर □ ने फ़रमाया: "हसद (जलन) नेक अमल को ऐसे खा जाती है जैसे आग लकड़ी को।"
(अबू दाऊद 4903)
हालिया घटनाओं से भी यह साबित होता है कि हसद और बुग़्ज़ (नफरत) समाज में अपराध का कारण बनते हैं। जैसे, 4 दिसम्बर 2024 को दिल्ली में एक युवक ने जलन की वजह से अपने ही माता-पिता और बहन की हत्या कर दी।

घमंड से पाक होना

पैग़म्बर □ ने फ़रमाया: "वह शख़्स जन्नत में दाख़िल नहीं होगा जिसके दिल में राई के दाने के बराबर भी घमंड होगा।"
(सहीह मुस्लिम, हदीस 91)
आधुनिक शोध बताता है कि अहंकार और घमंड की वजह से इंसान के गुस्से में 21% वृद्धि और हिंसा में 18% वृद्धि होती है।

ज़बान की पाकीज़गी

हदीस: "जो अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखता है, वह या तो अच्छी बात कहे या खामोश रहे।"
(सहीह बुखारी 6136)
आज कई अपराध केवल गंदी ज़बान से शुरू होते हैं। 18 जुलाई 2024 को दिल्ली में एक व्यक्ति ने होटल स्टाफ को अपमानजनक शब्दों के कारण गोली मार दी। यह उदाहरण बताता है कि ज़बान की गंदगी किस हद तक विनाशकारी हो सकती है।

नफ़्स की पाकीज़गी

क़ुरआन कहता है: "कामयाब है वह जिसने अपने नफ़्स को पाक किया और नाकाम रहा जिसने उसे गंदा कर लिया।" (सूरह अश-शम्स 91:9-10)
नफ़्स की गंदगी ही इंसान को अपराध की तरफ़ धकेलती है। भारत में वर्ष 2022 में लगभग 31,000 बलात्कार के मामले दर्ज हुए — यह आंकड़ा बताता है कि नफ़्स पर क़ाबू पाना कितना ज़रूरी है।

ज़ाहिरी तहारत (बाहरी स्वच्छता)

बदन की सफ़ाई

इस्लाम में वुज़ू और गुस्ल का आदेश इंसान को हमेशा पाक और साफ़ रखने के लिए है।

कपड़ों की सफ़ाई

पैग़म्बर □ ने फ़रमाया: "सफेद कपड़े पहना करो, ये तुम्हारे कपड़ों में सबसे अच्छे हैं।" (सुनन अबू दाऊद 4061)
सफेद कपड़े गंदगी को जल्दी दिखा देते हैं और इंसान को साफ-सुथरा रखने की आदत डालते हैं।

जगह की सफ़ाई

पैग़म्बर □ ने फ़रमाया: "अल्लाह पाक है और पाकी को पसंद करता है। अपने आंगन और गलियों को साफ़ रखा करो।"
(तिर्मिज़ी 2799)
एक और हदीस में चेतावनी दी गई: "उन दो चीज़ों से बचो जो लोगों की लानत का कारण बनती हैं — रास्तों और छांव की जगह पर गंदगी करना।" (सहीह मुस्लिम 269/5705)
सोचिए, अगर अल्लाह पूछे: "तुम्हारे मोहल्ले में गंदगी क्यों थी, तुमने सफ़ाई क्यों नहीं की?" तो इंसान क्या जवाब देगा?
इस्लाम केवल इबादत का नाम नहीं, बल्कि पाकीज़गी और साफ़-सफ़ाई का पूरा निज़ाम है।
जो अपने बदन, कपड़ों और जगह को साफ़ रखता है और
अपने ईमान, दिल, ज़बान और नफ़्स को पाक रखता है,
वही अल्लाह का सच्चा बंदा कहलाता है।

BSF में 1121 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू

बीएसएफ (Border security force) की ओर से हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) और हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो मैकेनिक) के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। इस भर्ती का नोटिफिकेशन 16 - 22 अगस्त के रोजगार समाचार में प्रकाशित किया गया है।

आवेदन शुरू :
19 अगस्त से 17 सितम्बर तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) : 60% मार्क्स के साथ 12वीं पास (सब्जेक्ट : फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स)
या 10वीं के साथ 2 साल की आईटीआई डिग्री (सब्जेक्ट : रेडियो, टेलीविजन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सीओपीए, जनरल इलेक्ट्रॉनिक्स, डाटा एंट्री ऑपरेटर)
हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो मैकेनिक) : 60% मार्क्स के साथ 12वीं पास (सब्जेक्ट : फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स)
या 10वीं के साथ 2 साल की आईटीआई डिग्री (सब्जेक्ट : रेडियो, टेलीविजन, जनरल इलेक्ट्रॉनिक्स, सीओपीए, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, आईटी एंड ईएसएम, डेटा एंट्री ऑपरेटर, इक्विपमेंट मेंटेनेंस, कंप्यूटर हार्डवेयर, मैकेट्रॉनिक्स)

एज लिमिट :
यूआर : 18 - 25 साल
ओबीसी : 18 - 28 साल
एससी, एसटी : 18 - 30 साल

सैलरी :
25,500 - 81,100 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
डिक्टेशन टेस्ट और पैराग्राफ रीडिंग टेस्ट
मेडिकल एग्जाम

फीस :
यूआर, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए + 59 रुपए सीएससी चार्ज
एससी, एसटी, महिला, विभागीय, एक्स सर्विसमैन : निःशुल्क (सीएससी चार्ज लागू)

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके पासवर्ड के माध्यम से लॉग इन करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करके डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

यूपी में GIC लेक्चरर के 1516 पदों पर भर्ती

UPPSC ने सरकारी इंटर कॉलेज में लेक्चरर के 1516 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
12 अगस्त से 12 सितम्बर

वैकेंसी डिटेल्स :
पद का नाम पदों की संख्या
लेक्चरर (पुरुष) - सरकारी इंटर कॉलेज 777
लेक्चरर (महिला) - सरकारी इंटर कॉलेज 694
लेक्चरर - स्पर्श दृष्टिबाधित स्कूल 43
प्रोफेसर - यूजी जेल ट्रेनिंग स्कूल 02
कुल पदों की संख्या 1516

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में पीजी, बीएड की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

फीस :
यूआर, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 100 रुपए + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस
एससी, एसटी : 40 रुपए + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस
पीडब्ल्यूडी : निःशुल्क + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस
एक्स सर्विसमैन : 40 रुपए + 25 रुपए ऑनलाइन प्रोसेसिंग फीस

सैलरी :
लेक्चरर (जीआईसी) : Level - 8 के अनुसार 47,600 - 1,51,100 रुपए प्रतिमाह
लेक्चरर (यूपी जेल ट्रेनिंग स्कूल) : लेवल - 7 के अनुसार 44,900 - 1,42,400 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके ओटीआर नंबर प्राप्त करें।
अब लॉग इन करके अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में 588 पदों पर भर्ती

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने 588 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन गुगल फॉर्म के जरिए NAPS पोर्टल पर सब्मिट करना होगा।
इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अप्रेंटिस, डिप्लोमा और नॉन टेक्निकल ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 10 अगस्त तय की गई है। वहीं आईटीआई अप्रेंटिस के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 2 सितंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
16 जुलाई से 02 सितंबर 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 130 पद
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 60 पद
नॉन-टेक्निकल अप्रेंटिस : 88 पद
आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस : 310 पद
कुल पदों की संख्या : 588

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, डिग्री या आईटीआई की डिग्री

एज लिमिट :
हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड नियमों के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल फिटनेस
पुलिस वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 9,000 रुपए प्रति माह
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 8,000 रुपए प्रति माह
2 वर्षीय ट्रेड आईटीआई अप्रेंटिस : 8,050 रुपए प्रतिमाह
1 वर्षीय ट्रेड आईटीआई अप्रेंटिस : 7,700 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
NAPS पोर्टल apprenticeshipindia.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करें।
जरूरी डिटेल्स के साथ गूगल फॉर्म भरें।
NAPS पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल कंप्लीट करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राजस्थान में टीचर के 6500 पदों पर भर्ती

-आवेदन शुरू, ग्रेजुएट्स करें अप्लाई

राजस्थान लोक सेवा आयोग यानी आरपीएससी (RPSC) ने सीनियर टीचर के 6500 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया आज से शुरू है। उम्मीदवार RPSC की ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
हिंदी, अंग्रेजी, गणित, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी, सिंधी और गुजराती के लिए : ग्रेजुएशन या यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए। संबंधित विषय वैकल्पिक विषय के रूप में हो। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद/ सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा इन एजुकेशन होना चाहिए।
विज्ञान के लिए: ग्रेजुएशन या यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा पास, जिसमें वैकल्पिक विषयों के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, माइक्रो बायोलॉजी, बायो टेक्नोलॉजी और बायो केमिस्ट्री में से कम से कम दो विषय शामिल हैं।
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद/ सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा इन एजुकेशन होना चाहिए।
सामाजिक विज्ञान के लिए : ग्रेजुएशन या यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए, जिसमें वैकल्पिक विषयों के रूप में इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, लोक प्रशासन और दर्शनशास्त्र में से कम से कम दो विषय शामिल हों।
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद/ सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा इन एजुकेशन होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल

फीस :
सामान्य, पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर), अत्यंत पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर) : 600 रुपए
आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/अत्यंत पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/ सहरिया आदिम जनजाति) और दिव्यांगजन : 400 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर भर्ती से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।
इसके बाद भर्ती के Apply Online लिंक पर क्लिक करें।
नए पेज पर पहले Click here for New Registration पर क्लिक करें और मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 2865 पदों पर निकली भर्ती

वेस्ट सेंट्रल रेलवे ने जबलपुर, भोपाल, मध्य प्रदेश और कोटा, राजस्थान में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया 30 अगस्त से शुरू होगी। उसके बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
30 अगस्त से 29 सितम्बर तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं, 12वीं पास होना चाहिए। आईटीआई की डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम 24 साल
ओबीसी : 3 साल
एससी/एसटी : 5 साल
पीडब्ल्यूडी (सामान्य) : 10 साल
पीडब्ल्यूडी (ओबीसी) : 13 साल
पीडब्ल्यूडी (एससी/एसटी) : 15 साल

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 141 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला : 41 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

स्टाइपेंड :
अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट wcr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें

LIC में 841 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 32 साल, सैलरी 1 लाख 26 हजार तक

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने असिस्टेंट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (AAO) के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट licindia.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए प्रीलिम्स एग्जाम 3 अक्टूबर, 2025 को होगी। वहीं मेन्स एग्जाम 8 नवंबर, 2025 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
16 अगस्त से 08 सितम्बर तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
•पद के अनुसार ग्रेजुएशन की डिग्री, ICAI की फाइनल एग्जाम पास किया हो।
•भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के मेंबर होना चाहिए।

एज लिमिट :
•न्यूनतम : 21 साल
•अधिकतम : 32 साल
•रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
•प्रीलिम्स एग्जाम
•मेन्स एग्जाम
•इंटरव्यू

फीस :
•एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी : 85 रुपए के साथ GST और ट्रांजेक्शन चार्ज
•अन्य : 700 रुपए

सैलरी :
•88,635 - 1,26,000 रुपए प्रतिमाह
•अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
•ऑफिशियल वेबसाइट licindia.in पर जाएं।
•"Careers" सेक्शन पर LIC AE/AAO भर्ती 2025 पर क्लिक करें।
•ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड डालें।
•मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
•फीस जमा करें।
•फॉर्म सब्मिट कर दें।
•इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें - • royalpatrika@gmail.com • +91-9772552446

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

अध्ययन टिप्स
1.नोट्स बनाएँ: प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के साथ संक्षिप्त नोट्स बनाएँ, जिसमें तारीख, उद्देश्य, और सिलेबस लिंक शामिल हों।
2.संशोधन: इन MCQs को सप्ताह में एक बार दोहराएँ। फ्लैशकार्ड बनाएँ (जैसे, "COP29: बाकू, 2024")।
3.मॉक टेस्ट: इन प्रश्नों को 2 घंटे में हल करने का अभ्यास करें, जैसे यूपीएससी प्रीलिम्स में होता है।
4.स्रोत: समाचार पत्र (जनसत्ता, दैनिक जागरण), पत्रिकाएँ (योजन, प्रतियोगिता दर्पण), और ऑनलाइन संसाधन (दृष्टि IAS, PIB) पढ़ें।
5.पिछले प्रश्नपत्र: UPSC की वेबसाइट (upsc.gov.in) से 2020-2024 के प्रश्नपत्र डाउनलोड करें और समसामयिक प्रश्नों का अभ्यास करें।
6.टाइमलाइन: 2023-2025 की प्रमुख घटनाओं की समयरेखा बनाएँ (जैसे, G20 2023, चंद्रयान-3)।

संसाधन सुझाव
•समाचार पत्र: जनसत्ता, दैनिक जागरण (राष्ट्रीय संस्करण)।
•पत्रिकाएँ: योजन, कुरुक्षेत्र, प्रतियोगिता दर्पण।
•ऑनलाइन: दृष्टि IAS (drishtiias.com), विजन IAS, PIB (pib.gov.in), संसद टीवी।
•टेस्ट सीरीज़: दृष्टि IAS, विजन IAS, या प्रष्टि IAS की हिंदी टेस्ट सीरीज़।
•पिछले प्रश्नपत्र: upsc.gov.in पर उपलब्ध 2020-2024 के प्रश्नपत्र डाउनलोड करें।
इन MCQs का नियमित अभ्यास करें और समसामयिक घटनाओं को सिलेबस के साथ जोड़कर पढ़ें।

राष्ट्रीय घटनाओं पर सिविल सेवा स्तर के MCQs और महत्वपूर्ण नोट्स

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)
1.राष्ट्रीइनय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के संदर्भ में, राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (NRF) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
a) खेल शिक्षा को बढ़ावा देना
b) व्यावसायिक प्रशिक्षण कोष प्रदान करना
c) अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना
d) क्षेत्रीय भाषा शिक्षण को प्रोत्साहित करना
उत्तर: c) अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना
विश्लेषण: NRF का गठन NEP 2020 के तहत भारत में विभिन्न विषयों में अनुसंधान संस्कृति को मजबूत करने के लिए किया गया है। यह वैश्विक और राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
2.लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन (लूपेक्स) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
a) यह भारत का पहला चंद्र मिशन है।
b) यह ISRO और JAXA का संयुक्त मिशन है।
c) इसका उद्देश्य मंगल ग्रह पर पानी की खोज करना है।
d) इसे 2023 में लॉन्च किया गया था।
उत्तर: b) यह ISRO और JAXA का संयुक्त मिशन है।
विश्लेषण: लूपेक्स भारत का पांचवां चंद्र मिशन है, जो चंद्रमा की सतह और रेगोलिथ के नीचे पानी की उपस्थिति का अध्ययन करता है। यह ISRO और JAXA का सहयोगी प्रयास है।
3.प्रथम खो-खो वर्ल्ड कप 2025 के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?
a) यह भारत में आयोजित होगा।
b) इसमें 6 महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे।
c) केवल पुरुष टीमें भाग लेंगी।
d) इसका उद्देश्य खो-खो को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना है।
उत्तर: c) केवल पुरुष टीमें भाग लेंगी।
विश्लेषण: खो-खो वर्ल्ड कप 2025 में पुरुषों और महिलाओं की 16-16 टीमें शामिल होंगी, जो इसे समावेशी बनाता है।
4.जैव विविधता पर सम्मेलन (CBD) के 16वें सम्मेलन (COP16) का आयोजन कहाँ हुआ?
a) मॉन्ट्रियल, कनाडा
b) काली, कोलंबिया
c) रियो डी जनेरियो, ब्राजील
d) नई दिल्ली, भारत
उत्तर: b) काली, कोलंबिया
विश्लेषण: CBD COP16 का आयोजन काली, कोलंबिया में हुआ, जो जैव विविधता संरक्षण पर सबसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय समझौता है। इसका सचिवालय मॉन्ट्रियल में है।
5.'अश्वा' नामक 25T Bollard Pull (BP) टग के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
a) इसे भारतीय वायुसेना के लिए लॉन्च किया गया।
b) यह 'मेक इन इंडिया' पहल का हिस्सा है।
c) इसे चेन्नई में लॉन्च किया गया।
d) यह एक रेल-सह-सड़क परियोजना है।
उत्तर: b) यह 'मेक इन इंडिया' पहल का हिस्सा है।
विश्लेषण: अश्वा टग को कोलकाता में लॉन्च किया गया और यह भारतीय नौसेना की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाता है।
6.54वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2025 का थीम क्या था?
a) एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य
b) सुरक्षा और कल्याण विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण
c) समानता और सशक्तिकरण
d) निरस्त्रीकरण और शांति
उत्तर: b) सुरक्षा और कल्याण विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण
विश्लेषण: यह थीम भारत के 2047 विकास दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो कार्यस्थल और सार्वजनिक सुरक्षा पर जोर देती है।
7.निम्नलिखित में से कौन सा राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ से संबंधित है?
a) राष्ट्रीय ध्वज
b) राष्ट्रीय चिह्न
c) राष्ट्रीय गान
d) राष्ट्रीय पशु
उत्तर: b) राष्ट्रीय चिह्न
विश्लेषण: अशोक स्तंभ, जिसे सारनाथ से लिया गया, भारत का राष्ट्रीय चिह्न है और 242-232 ईसा पूर्व में सम्राट अशोक द्वारा निर्मित किया गया था।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

युवाओं को मिले एजुकेशन और करियर से जुड़े टिप्स

हाल ही में जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित सरोकार कार्यक्रम में शिक्षा और करियर गाइडेंस को लेकर अहम चर्चा हुई। इस अवसर पर राइट यूएनआई डायरेक्टर दीपक शर्मा ने युवाओं और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कई महत्वपूर्ण विचार रखे। उनका कहना था कि शिक्षा का वास्तविक मकसद सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं होना चाहिए और न ही इसे व्यवसायिक नजरिए से देखना चाहिए। शिक्षा वही है जो बच्चों को एक अच्छा नागरिक बनाए और उन्हें रोजगार के सही अवसर प्रदान करे।

शिक्षा की नई परिभाषा
दीपक शर्मा ने कहा कि आज शिक्षा की असली परिभाषा यह है कि यह समाज और व्यक्ति दोनों को सभ्य बनाए। किताबों का ज्ञान तभी सार्थक है जब वह इंसान के व्यवहार और सोच में बदलाव लाए। आज की तारीख में माता-पिता और बच्चों के बीच करियर चुनने को लेकर एक बड़ा अंतर है। जहां युवा नई-नई संभावनाओं की तलाश में रहते हैं, वहीं पुरानी पीढ़ी अभी भी पारंपरिक ढर्रे पर सोचती है। यही कारण है कि कई बार बच्चे सही अवसरों तक नहीं पहुंच पाते।

पेरेंट्स की सोच में बदलाव ज़रूरी
उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों को यह समझाना आसान है कि उन्हें क्या करना है, लेकिन उनके पेरेंट्स को समझाना कहीं ज्यादा मुश्किल है। आज समय तेजी से बदल रहा है। आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मार्केटिंग, डाटा साइंस, डिजाइनिंग, होटल मैनेजमेंट, सोशल मीडिया, स्पोर्ट्स और क्रिएटिव आर्ट्स जैसे नए क्षेत्रों में रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। लेकिन पेरेंट्स अब भी बच्चों को सिर्फ डॉक्टर, इंजीनियर या गवर्नमेंट जॉब तक ही सीमित करना चाहते हैं।

सही गाइडेंस क्यों है ज़रूरी
दीपक शर्मा ने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि करियर में सफलता सिर्फ डिग्री लेने से नहीं मिलती। असली फर्क तब पड़ता है जब हमें अपनी क्वालिफिकेशन और रुचि के अनुसार सही फील्ड चुनने का मौका मिलता है। यदि युवाओं को सही समय पर राइट गाइडेंस मिल जाए तो वे न केवल समय बचा सकते हैं बल्कि अनावश्यक खर्च और असफलताओं से भी बच सकते हैं। इसी सोच के चलते उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर बच्चों के करियर मार्गदर्शन का काम शुरू किया। उनका मानना है कि अगर किसी छात्र को उसकी योग्यता और रुचि के अनुसार दिशा दिखाई जाए तो वह अपने लक्ष्य तक जरूर पहुंच सकता है।

शिक्षा और करियर से जुड़े एक्सपर्ट्स की राय
कार्यक्रम में मौजूद अन्य विशेषज्ञों ने भी कुछ अहम बातें रखीं:
करियर काउंसलिंग की अहमियत
– हर छात्र अलग है और उसकी रुचियां भी अलग हैं। इसलिए "वन-साइज-फिट्स-ऑल" अप्रोच से बच्चों का करियर तय नहीं किया जा सकता।
– स्कूलों में करियर काउंसलिंग को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए।
स्किल्स पर जोर
– डिग्री लेना ही सफलता नहीं है। आज कंपनियां स्किल्स पर ज्यादा ध्यान देती हैं।
– कम्युनिकेशन स्किल, प्रॉब्लम सॉल्विंग, टीम वर्क, डिजिटल स्किल्स और क्रिएटिविटी की मांग बढ़ रही है।

नई एजुकेशन पॉलिसी की भूमिका
– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बच्चों को लचीला और बहुआयामी शिक्षा देने की दिशा में काम कर रही है।
– इसमें व्यावसायिक शिक्षा, डिजिटल लर्निंग और क्रिएटिव विषयों पर ज्यादा फोकस है।
ग्लोबल अप्रोच
– आज का युग ग्लोबल कनेक्टिविटी का है।
– बच्चों को सिर्फ लोकल ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल अवसरों की जानकारी भी दी जानी चाहिए।

युवाओं के लिए करियर टिप्स
अपने इंटरेस्ट को पहचानें – किसी भी करियर का पहला कदम यही है कि आप समझें कि आपको किस काम में मज़ा आता है। राइट गाइडेंस लें – विशेषज्ञों या काउंसलर्स से मिलें और उनकी सलाह लें। स्किल डेवलपमेंट पर ध्यान दें – साथ में कोई प्रोफेशनल कोर्स या सर्टिफिकेशन करें। टेक्नोलॉजी से जुड़ें – डिजिटल दुनिया की जानकारी रखना आज अनिवार्य है। नेटवर्किंग करें – सही लोगों से जुड़कर नए अवसर तलाशें। प्लान बी तैयार रखें – करियर में हमेशा एक वैकल्पिक योजना होनी चाहिए।

पेरेंट्स के लिए संदेश
कार्यक्रम में वक्ताओं ने पेरेंट्स से भी अपील की कि वे बच्चों की रुचि और टैलेंट को समझें। हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, लेकिन वह अपनी रुचि के अनुसार बेहतरीन करियर बना सकता है। यदि पेरेंट्स बच्चों को सपोर्ट करेंगे तो उनका आत्मविश्वास और बढ़ेगा और वे सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएंगे। आज शिक्षा और करियर का परिदृश्य बहुत बदल चुका है। अब बच्चों के सामने पारंपरिक रास्तों के अलावा कई नए अवसर हैं। जरूरत सिर्फ इस बात की है कि उन्हें सही समय पर राइट गाइडेंस मिले और पेरेंट्स अपनी सोच में बदलाव लाएं। दीपक शर्मा जैसे एक्सपर्ट्स और करियर गाइडेंस संस्थान इसी दिशा में सार्थक प्रयास कर रहे हैं। शिक्षा तभी सार्थक होगी जब वह बच्चों को सही दिशा दिखाए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाए। आने वाली पीढ़ी तभी आगे बढ़ेगी जब स्कूल, समाज और परिवार मिलकर बच्चों को उनका असली टैलेंट पहचानने का मौका देंगे।

नसों में झनझनाहट: लापरवाही न करें, जानिए कारण और घरेलू उपाय

हमारे शरीर की हर नस का सीधा संबंध मस्तिष्क से होता है। जब ब्लड सर्कुलेशन में गड़बड़ी होती है या नर्व्स पर दबाव पड़ता है, तो हाथ-पैरों में झनझनाहट महसूस होने लगती है। यह समस्या अक्सर उंगलियों, तलवों और हथेलियों में अधिक देखने को मिलती है। बहुत से लोग इसे मामूली समझकर अनदेखा कर देते हैं, लेकिन बार-बार या लंबे समय तक बनी रहने वाली झनझनाहट किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकती है।

क्यों होती है झनझनाहट?
झनझनाहट के कई कारण हो सकते हैं।
ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट: खून सही तरीके से नसों तक न पहुंचे तो ऑक्सीजन और पोषण की कमी से नर्व्स प्रभावित होते हैं।
नर्व्स पर दबाव: लंबे समय तक पैर पर पैर चढ़ाकर बैठना या एक ही पोज़ीशन में सोना झनझनाहट की वजह बनता है।
विटामिन की कमी: खासकर विटामिन B12 और B6 की कमी नसों को कमजोर करती है।
बीमारियां: डायबिटीज और थायरॉयड भी नसों की कार्यप्रणाली पर असर डालते हैं।
तनाव और थकान: मानसिक दबाव और शारीरिक थकान भी नर्वस सिस्टम को प्रभावित करते हैं।
इसके अलावा अधिक शराब, धूम्रपान, चोट लगना, हर्नियेटेड डिस्क और सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस भी इसके कारण हो सकते हैं।

घरेलू उपाय
कभी-कभार होने वाली झनझनाहट से राहत पाने के लिए घरेलू नुस्खे काफी कारगर माने जाते हैं।
गर्म सेंक: गुनगुने पानी में तौलिए को भिगोकर सेंक करने से खून का बहाव बेहतर होता है।
हल्की मसाज: सरसों या नारियल तेल से हल्की गोलाकार मालिश नसों को आराम देती है।
अदरक और हल्दी: इनका सेवन सूजन और दर्द कम करता है। हल्दी वाला दूध और अदरक की चाय लाभकारी है।
योग और स्ट्रेचिंग: ताड़ासन, भुजंगासन और हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज ब्लड फ्लो सुधारते हैं।
नमक वाला गुनगुना पानी: रात को पैरों को इसमें डुबोकर रखने से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं।

संतुलित आहार: दूध, अंडा, मछली, दालें और हरी सब्जियां विटामिन B12 और B6 की कमी को पूरा करती हैं।

कब लें डॉक्टर की सलाह?
अगर झनझनाहट बार-बार हो, लंबे समय तक बनी रहे, साथ में दर्द, जलन या कमजोरी भी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह डायबिटिक न्यूरोपैथी, थायरॉयड या किसी गंभीर नर्व समस्या का संकेत हो सकता है।

एशिया की सबसे कठिन बाधा दौड़ में बारां रनर्स क्लब का परचम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में आयोजित एशिया की सबसे कठिन बाधा दौड़ डेविल्स सर्किट में बारां रनर्स क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया। क्लब के धावक अजय सिंह (योग प्रशिक्षक), रविन्द्र कुमार धारवाल (आयरनमैन), अंकित शर्मा और सुमित शर्मा ने 5 किलोमीटर लंबी दौड़ और 15 कठिनतम बाधाओं को पार कर साहस, धैर्य और तंदुरुस्ती का बेमिसाल प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों ने 5 किलोमीटर दौड़ो, 15 बाधाओं को जीतों के मंत्र को साकार कर दिखाया और समापन रेखा तक पहुँचकर विजय ध्वज फहराया। डेविल्स सर्किट का अनुभव खिलाड़ियों के लिए केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक मजबूती की परीक्षा थी। यहाँ प्रतिभागियों को 20 फीट ऊँची दीवार (ऊँची

चढ़ाई) पर चढ़ना पड़ा, संकरे रास्तों (संकरी राह) से गुजरना पड़ा, कमांडो रेंगना जैसी बाधा में ज़मीन पर रेंगना पड़ा, शिखर चढ़ाई जैसी बाधाओं में साथी पर भरोसा करना पड़ा और बर्फीली डुबकी में 20 टन बर्फ के पानी में उतरकर साहस का असली इम्तिहान देना पड़ा। इस रोमांचक और कठिनतम दौड़ को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद बारां रनर्स क्लब के धावकों ने यह साबित किया कि अनुशासन, कड़ी मेहनत और तंदुरुस्ती के बल पर कोई भी चुनौती असंभव नहीं रहती। क्लब के संस्थापक अंकित खंडेलवाल ने बताया कि "हमारा उद्देश्य केवल दौड़ जीतना नहीं है, बल्कि युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस और अनुशासन की संस्कृति को बढ़ावा देना है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को यह संदेश मिलता है कि जीवन की हर कठिनाई का सामना साहस और धैर्य से किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि न केवल बारां जिले का गौरव बढ़ाती है, बल्कि युवाओं को स्वास्थ्य, फिटनेस और खेलों के प्रति प्रेरित भी करती है।

झालरापाटन नगर कांग्रेस कार्यालय पर मीटिंग संपन्न

-नवनियुक्त अध्यक्ष अम्बेश मीणा का किया स्वागत सम्मान

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालरापाटन नगर काँग्रेस कार्यालय पर 31 अगस्त को मीटिंग आयोजित कर नव नियुक्त नगर काँग्रेस के अध्यक्ष अम्बेश मीणा को पूर्व नगर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश लाला राठौड़ व जिला काँग्रेस अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में अम्बेश मीणा को फूल माला पहनाकर मिठाई खिलाकर पदभार ग्रहण करवाया गया। इस अवसर पर जिला काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह जी द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि अम्बेश मीणा के नगर काँग्रेस अध्यक्ष बनने से युवाओं में काँग्रेस कार्यकर्ताओ में काँग्रेस में एक उत्साह का माहौल है। सभी काँग्रेस के कार्यकर्ता संगठित होकर आने वाले नगरपालिका झालरापाटन चुनाव की तैयारी में लग जाए और संगठित होकर काँग्रेस पार्टी को जिताने में हर कार्यकर्ता अपनी भूमिका निभाए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मोहम्मद सिद्दीक गौरी ने कहा कि काँग्रेस पार्टी हम सबकी माँ है और

माँ के लिए सभी बच्चो के लिए प्यार और सम्मान एक सा होता है। पूर्व नगर काँग्रेस अध्यक्ष लाला राठौड़ का निश्चित ही सराहनीय कार्यकाल रहा पूरे मन से पार्टी के दायित्व को निभाया है और आगे नवनियुक्त अध्यक्ष अम्बेश मीणा से यही आशा है कि सभी को साथ लेकर काँग्रेस पार्टी को मजबूत करेंगे इस अवसर पर नगर काँग्रेस अध्यक्ष अम्बेश मीणा द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया। मीटिंग में उपस्थित रहे मोहम्मद सिद्दीक गौरी,देवकीनंदन वर्मा, महेंद्र बना, चंद्रप्रकाश लाला राठौड़, जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सत्यनारायण राठौर, प्रदीप तिवारी, इस्माइल अंसारी, सत्यनारायण राठौड़, नवीन मेघवाल, मोहम्मद खालिद, मोहम्मद कासिम भट्टी, बालचंद रावल, इंद्रशेखर पाटीदार, विक्की शर्मा, अंतरिक्ष माथुर, लकी, देवा, भाया जोशी, इरफान अली, नरेंद्र प्रिंस, अब्बास भाई बोहरा, गुलबदन, शब्बीर दवा वाला, फखरुद्दीन, पंकज शर्मा, नंदलाल राठौर, रूप सिंह राठौड़, दुर्गालाल ठेकेदार, अजहर घोंसी, जहीरअंसारी, शोभाराम, मनोज, तूफान, मनीष मीणा, कमल सुमन, कमल शाक्यवाल, अक्षय नामदेव, सहित कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कोटा स्टोन एसोसिएशन सचिव ने किया अमरपुरा औद्योगिक क्षेत्र का दौरा

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। कोटा स्टोन एसोसिएशन के सचिव अखिलेश मेड़तवाल ने किया अमरपुरा औद्योगिक क्षेत्र का दौरा जेवीवीएनएल के सहायक अभियंता ज्वाला वर्मा और टीम रही साथ झूलते तार और जमीन के पास लगे ट्रांसफॉर्मर को लेकर किया निरीक्षण 3 दिन में ट्रांसफॉर्मर हटाने और तारों को ऊंचा करने का आश्वासन दौरे में बड़ी संख्या में उद्योगपति और ग्रामीण रहे मौजूद।

रिलायबल स्कूल के डायरेक्टर डॉ. ज़रीफ अहमद को मिला सम्मान

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। दैनिक भास्कर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित पिछले 18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रिलायबल एजुकेशनल ग्रुप के डायरेक्टर और स्कूल शिक्षा परिवार के प्रदेश आईटी सेल प्रभारी डॉ. ज़रीफ अहमद को आज शिक्षा के प्रति समर्पण, समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान, निरंतर सक्रियता, शिक्षा में प्रगतिशील नवाचार, प्रशासनिक सहयोग और सामंजस्य जैसी अभूतपूर्व सेवाओं और प्रयासों के लिए शैक्षणिक नगरी कोटा में आयोजित राज्य स्तरीय भव्य समारोह में लाडपुरा विधायक श्रीमती कल्पना देवी लाडपुरा विधायक कोटा पुलिस अधीक्षक सुश्री तेजस्विनी गौतम, कुलगुरु कोटा यूनिवर्सिटी प्रो बी पी सारस्वत, जिला शिक्षा अधिकारी केके शर्मा, द्वारा दैनिक भास्कर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हाजियों का इस्तकबालिया प्रोग्राम संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट की जानिब से इस्तक़बालिया प्रोग्राम का आयोजन बूँदी रोड़ स्थित निजी मैरिज गार्डन में किया गया। जिसमें हाल ही में हज के मुक़द्दस सफ़र से लौटे हाजियों का इस्तकबाल किया गया जिनमें मुख्य रूप से हाजी लईक अहमद, हाजी मुख्तार हुसैन अंसारी, हाजी वाजिद अली मंसूरी और उनके पूरे परिवार और अन्य आए हुए हाजियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर मुबारकबाद पेश की गई। कार्यक्रम का माहौल रूहानी और भाईचारे से भरपूर रहा। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद हयात ख़ान ने जानकारी देते हुए बताया कि हज का मुक़द्दस सफ़र हर मुसलमान की ज़िंदगी की सबसे बड़ी आरज़ू होती है और अल्लाह की यह नेमत नसीब होना बड़ी ख़ुशनसिबी की बात है। उन्होंने बताया कि इस मौके पर कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ से जुड़े ट्रस्टी और सरपरस्त हज़रात ने प्रोग्राम में शिरकत की। यह पहला मौका था जिसमें ट्रस्ट के तमाम फेमिली मेंबरो ने प्रोग्राम में शिरकत कर प्रोग्राम को ज़ीनत बख्शी। बाहर से शिरकत करने वालों में बूंदी से राशिद सिद्दीकी, रज़िया ख़ातून, रियाज़ उद्दीन खिलजी, गयासुद्दीन अंसारी, बारां से आबिद

हुसैन अंसारी और झालावाड़ ओर दीगर जगहों से ट्रस्ट के जिम्मेदारों ने शिरकत की । इसी अवसर पर बाँरा की मशहूर ओ मारूफ तंज़ीम अंजुमन इत्तेहाद ए बहामी जिला बारां के नवनिर्वाचित सदर आबिद हुसैन अंसारी का सदर बनाए जाने पर गर्मजोशी से इस्तक़बाल किया गया और ट्रस्ट की तरफ़ से तरफ से मुबारकबाद पेश कि गई। प्रोग्राम में हाज़ी ज़फर अहमद GN प्रिंटिंग प्रेस वाले ओर उनके परिवार का मिल्लत की जानिब से गुलपोशी कर इस्तकबाल किया गया । कार्यक्रम की सदारत करते हुए ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन हाजी अब्दुल सलीम अब्बासी ने मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट और उसकी इकाई एमसीटी क्लीनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर के तहत चल रही गतिविधियों, सुविधाओं, फ्री मेडिकल सेवाओं, सामाजिक कार्यों और ग़रीब व जरूरत मंद लोगों की मदद के लिए निःशुल्क दिए जा रहे मेडिकल उपकरण की जानकारी मुहैया कराई। इस अवसर पर ट्रस्ट के ट्रस्ट के सरपरस्त डॉ. एन डी पठान, क्लिनिक अधीक्षक मिल्लत के सरपरस्त डॉ. अब्दुल रब, क्लिनिक प्रभारी जाकिर आसफी, आल इंडिया रेडिओ अनाउंसर तरन्नुम नाज़ ने भी अपने विचार व्यक्ति किए। प्रोग्राम को कामयाब बनाने वाले लोगों में प्रोग्राम कन्वीनर इमाम हुसैन मंसूरी, इमरान अंसारी, बैंकर निसार अहमद, राशिदुद्दीन, ठेकेदार अब्दुल नासीर, मिर्जा नफीस बैग, चाँद शेरी,जावेद खान सनराइज, डॉक्टर आबिद खान शेरवानी, मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रेस प्रवक्ता असलम रोमी, अशफाक अहमद का विशेष योगदान रहा । कार्यक्रम का इख़्तिताम मुल्क में अमन चेन ओर देश की तरक्की की दुआओं के साथ किया गया।

मनोहरथाना स्थानीय प्रशासन की लापरवाही एवं निष्क्रियता के चलते पुलिया हुई क्षतिग्रस्त

-आमजन एवं स्कूली बच्चे परेशान- रणजीत भील

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिले कि मनोहरथाना पंचायत समिति की ग्राम चांदपुरा भिलान में ग्राम पहली का पूरा में स्कूल जाने वाले बच्चो को स्कूल आने जाने में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है कई बार स्कूल जाने का रास्ता ही बंद होता है जिस से बच्चो कि पढ़ाई अवरुद्ध हो रही है। ग्राम के विद्यालय में जाने के रास्ते कि पुलिया बहुत अधिक जर्जर हो चुकी है एवं बारिश का पानी आने से पुलिया का रास्ता पूर्ण रूप से बंद हो जाता है। रणजीत भील ने 1 सितंबर 2025 को बताया की विद्यालय में ना सिर्फ बच्चो का जाना अवरुद्ध है बल्कि यहां पर

शिक्षक भी नहीं आ जा पाते है और बच्चो कि पढ़ाई बिगड रही है। इस मामले में प्रशासन को भी कई बार अवगत करवाया गया है परन्तु अधिकारी उदासीन रवैया रखे हुए है। ग्रामीणों ने अधिकारियो को कई बार लिखित शिकायत देकर पुलिया निर्माण कि मांग कि परन्तु किसी का ध्यान इस समस्या कि और नहीं जा रहा है।

10वीं कक्षा की नि:शुल्क कोचिंग 1 सितम्बर से होगी शुरू

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। सोशियल वेलफेयर सोसायटी की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। सोसायटी के सदर मोहम्मद हनीफ रंगरेज के अनुसार बैठक में निर्णय लिया गया कि सोशियल वेलफेयर सोसायटी, भीलवाड़ा, सीरत कैश व क्रेडिट सोसायटी, भीलवाड़ा, सीरत सराय चैरिटी ट्रस्ट, भीलवाड़ा इन्तज़ामिया कब्रिस्तान कमेटी, चैरिटी ट्रस्ट, स्टेशन, भीलवाड़ा के सहयोग से 10वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं हेतु विज्ञान, गणित, व अंग्रेजी की निःशुल्क कोचिंग कक्षा दिनांक 1 सितम्बर 2025 से सीरत सराय रेल्वे स्टेशन के पास, भीलवाड़ा में चलाई जायेगी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 10 वीं के छात्र-छात्रायें जो इस कोचिंग का लाभ लेना चाहते हैं, वो अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म सीरत सराय काउन्टर फोन नं. 01428-226538 से प्राप्त कर सांय 5.00 बजे तक वहीं जमा करवा सकते हैं।

हाट बाजार में 25 लाख से बना प्लेटफॉर्म अनुपयोगी, पुरानी जगह ही बैठ रहे हैं व्यापारी

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के हाट बाजार में नगर पालिका की ओर से करीब 25 लाख रुपए की लागत से बनाए गए प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं हो पा रहा है। प्लेटफार्म मात्र वाहनों की पार्किंग और मवेशियों के बैठने का अड्डा बनकर रह गया है। निर्माण के समय इसकी वास्तविक उपयोगिता पर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण व्यापारी अब भी व्यापारी पुरानी जगह पर गंदगी और कीचड़ में दुकानें लगाने को मजबूर हैं। व्यापारियों का कहना है कि हाट बाजार में जहां अधिकतर दुकानें लगती हैं, वहीं बारिश के दिनों में कीचड़, फिसलन और जलभराव की समस्या बनी रहती है। ऐसी नगर पालिका स्थिति में खरीदारी के लिए आने वाले ग्रामीणों और कस्बेवासियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। नगर पालिका की ओर हाट बाजार से निरंतर इसके बदले किसी भी तरह की बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा कराई जा रही। यहां स्थित सार्वजनिक शौचालय भी वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। कहना है कि बार-बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या बताने के बाद भी मात्र मौखिक आश्वासन ही दिया जाता है। धरातल पर कोई कार्य नहीं किया गया। 25 लाख की लागत वाले इंटरलॉकिंग प्लेटफार्म पर अभी तक व्यापारियों को शिफ्ट नहीं किया गया है। सभी दुकानें अपनी पुरानी जगह पर ही लगी रहती हैं। व्यापारियों का आरोप है कि निर्माण के समय उनकी राय बिल्कुल नहीं ली गई। यदि उसी स्थान पर निर्माण कराया जाता जहां वास्तव में दुकानें लगती हैं, तो आज यह समस्या नहीं होती। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि यह निर्माण मात्र निजी लाभ लेने और औपचारिकता पूरी करने के लिए किया गया है।

एसडीएम ने किया था निरीक्षण-

प्लेटफार्म बनने के बाद तत्कालीन एसडीएम एवं नगर. पालिका प्रशासक नीता वसीटा ने निरीक्षण किया था। उन्होंने बाजार के विकास के लिए करीब 70 लाख रुपए खर्च कर बाउंड्री निर्माण, अतिरिक्त प्लेटफार्म और सड़क निर्माण की योजना की बात कही थी, लेकिन इसके बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। हाट बाजार के इस अनुपयोगी निर्माण को लेकर अब कस्बेवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि इसको गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान करवाना चाहिए।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी में खेल महोत्सव के तहत हो रही रस्सा-कस्सी और गोला फेंक प्रतियोगिता

-दिखा दमखम खेलों के प्रति समर्पण का लिया संकल्प

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के 'विकसित भारत' के क्रम में तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार मौलाना आजाद विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय (29-31 अगस्त 2025) खेल महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आउटडोर खेलों के अर्न्तगत रस्सा-कस्सी में फिजियोथेरिपी व फार्मेसी छात्रो के बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में फार्मेसी टीम विजयी रही। विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच हुई गोला फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बी. फार्म फोर्थ सेम के दिलीप, द्वितीय स्थान पर बीपीटी के फीफ्थ सेम के समीर और तीसरे स्थान पर बीपीटी फीफ्थ सेम के अनील पटेल रहे। रस्सा कस्सी मे फार्मेसी छात्र विजयी और बीपीटी छात्र द्वितीय स्थान पर रहे। बतौर मुख्य अतिथि मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक एवं विषिष्ट अतिथि यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी के नेतृत्व में सभी संकायों

के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने अंत में खेलों के प्रति समर्पण व खेल भावना की शपथ ली। इस अवसर पर डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान, डीन स्पोर्ट्स डॉ. मोईनुल हक, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी साबरा कुरैशी, डीन आर्टस डॉ. इनाम इलाही, डीन कॉमर्स डॉ. एन.के. बोहरा, डीन मैनेजमेंट डॉ. दीपक भंडारी, डीन एज्यूकेशन डॉ. समीना, साइंस हेड ऑफ डिपार्टमेन्ट डॉ. मोहम्मद रईस विशेष रूप से उपस्थित रहे। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना, डॉ. सीमा परवीन, डॉ. अब्दुल्ला खालिद, डॉ. अल्ताफ खान, डॉ. शाहिद, डॉ. समृद्धि, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी, यूनुस खान, डॉ. विपिन व्यास, डॉ. विरमाराम देवासी, तौसीफ खान, पूजा इंकिया, शोएब खान, मारुफ शेख, सरवन हुदा, रुकैया जमाल, शोएब सैफी सहित विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

नर्सिंग छात्रों हेतु गीतांजलि यूनिवर्सिटी में जागरूकता कार्यक्रम

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। शनिवार को गीतांजलि यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में लगभग 700 नर्सिंग छात्र-छात्राओं के लिए टाउन हॉल मीटिंग "स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाइस चांसलर डॉ राकेश व्यास, गीतांजली यूनिवर्सिटी, गीतांजलि कॉलेज एंड स्कूल ऑफ नर्सिंग से डीन डॉ. विजया अजमेरा, प्रिंसिपल डॉ. योगेश्वर पूरी गोस्वामी, प्रिन्सिपल प्रोफेसर दिनेश कुमार शर्मा फैकल्टी सदस्य एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। वाइस चांसलर डॉ. राकेश व्यास ने नर्सिंग क्षेत्र की महत्त्वता पर प्रकाश डाला, डॉ. विजया अजमेरा, डीन ने छात्र छात्राओं को अच्छे अध्ययन एवं स्वस्थ रहने तथा सदैव सकारात्मक रहने के लिए प्रोत्साहित किया, प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज डॉ. योगेश्वर पूरी गोस्वामी ने नर्सिंग प्रोफेशन के उद्देश्यों से अवगत कराया एवं उसे पूर्ण करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया, प्रिंसिपल नर्सिंग स्कूल प्रोफेसर दिनेश कुमार शर्मा ने नर्सिंग प्रोफेशन की विशेषता एवं नर्सिंग की जिम्मेदारियों से अवगत कराया । स्टूडेंट अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत एक्सपर्ट सेशन का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से डॉक्टर शिखा शर्मा, क्लिनिकल साइकोलॉजी काउंसलर, सुश्री

भव्या रस्तोगी स्टूडेंट काउंसलर द्वारा छात्र-छात्राओं को अध्ययन एवं दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को सुना एवं उसके उचित समाधान बताये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ब्रिन्सी बाबु एसोसिएट प्रोफेसर एवं विकास कुशवाहा लेक्चरर गीतांजलि कॉलेज एवं स्कूल ऑफ़ नर्सिंग द्वारा किया गया।

घांघू के प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में 13 साल सेवा देने वाले वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओमप्रकाश आर्य का अभिनंदन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के नजदिक घांघू के राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में 13 वर्ष सेवा देने वाले डॉ. ओमप्रकाश आर्य का उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिये रविवार को अभिनंदन किया गया। इस मौके पर सम्बोधित करते हुए संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील मेहरा ने कहा कि अंतिम छोर के व्यक्ति तक संवेदनशीलता से सभी सेवाओं और सुविधाओं को पहुँचाना ही लोक सेवक के लिए आदर्श है। डॉ. आर्य ने यहां अपने कार्यकाल में इस आदर्श को अपनाया और लोगों का विश्वास जीता। यही एक लोक सेवक के लिए सफलता और सार्थकता है। हम सभी के लिए डॉ. आर्य की कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना प्रेरणादायी है। अध्यक्षता करते हुए सरपंच विमला देवी दर्जी ने डॉ. आर्य की सेवाओं की सराहना की और कहा कि जिला स्तर पर डॉ. आर्य के सम्मान से ग्राम पंचायत गौरवान्वित हुई है। उन्होंने कहा कि कोरोना और लंपी जैसी महामारियों के चलते पिछला समय सभी के लिए चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन ग्राम पंचायत में डॉ. आर्य और अन्य सभी विभागों के कार्मिकों का बेहतर सहयोग रहा। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता महावीर नेहरा, पशुपालन विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक डॉ. प्रभुदयाल बरवड़, जीएसएस के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर लाल दर्जी ने संबोधित किया। इस दौरान डॉ. आर्य की धर्मपत्नी अमृता देवी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता बीरबल नोखवाल ने किया। वरिष्ठ पशुधन सहायक एच सी यादव ने आभार जताया। कार्यक्रम में गोविंद गौशाला, बालरासर तंवरान की ओर से भी डॉ. आर्य का अभिनंदन किया गया। इस दौरान उप सरपंच पूर्ण सिंह शेखावत, बन्ने खां, रामलाल फगेड़िया, डॉ. इम्तियाज, अतिरिक्त जिला शिक्षा

अधिकारी नारायण कुमार मेघवाल, बनवारी लाल गुरी, अब्दुल हबीब अनवरी, आमीन मनियार, पूर्णसिंह तंवर, विद्याधर राहड़, नेमीचंद जांगिड़, दलीप गेट, श्रवण जाखड़, रमेश बरवड़, सदर नजीर खान, सुखराम सिहाग, देवकरण गुरी, केसरदेव गुरी, संजय वर्मा, आजम अली पहाड़ियान, पशुधन निरीक्षक सरिता आदि ने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. आर्य की सेवाओं को सराहा। इस दौरान डॉ. मनोज नैण, डॉ. प्रदीप, महावीर बुरड़क, जयपाल, राकेश कुमार, संजय मांझू, वीरेंद्र मीणा, बहन इन्द्रकला, संतोष देवी आदि भी मौजूद रहे।

रकमा संगठन द्वारा जिला स्तरीय अल्पसंख्यक सम्मान समारोह 7 सितंबर को चुरू में होगा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि 7 सितंबर को मातुश्री कमला गोयनका टाऊन हॉल चुरू में रकमा संगठन की जिला इकाई द्वारा प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। जिसके लिए विभिन्न तरह की कमेटियों का गठन किया जा चुका है और सभी अपने अपने तरीके से तैयारियों में लगे हुए हैं। रकमा संगठन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज़ खान ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किये जाने वालों के डाटा कलेक्ट किए जा रहे हैं जिसके लिए जिले में तहसील वार जिम्मेदारी दी गई है। चुरू के लिए वरिष्ठ अध्यापक मोहम्मद वसीम अली भाटी, रतनगढ़ के लिए मोहम्मद अनवर कुरेशी सेवा निवृत्त सीबीईओ, राजगढ़ के लिए हासम खान प्राचार्य, तारानगर के लिए फरमान खान लैब टेक्नीशियन, सुजानगढ़ के लिए मोहम्मद अकरम अध्यापक, और सरदार शहर के लिए इलियाश मोहम्मद खान वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक को जिम्मेदारी दी गई है। इसी के साथ-साथ लिस्ट को एकत्र कर फाइनल लिस्ट बनाने की जिम्मेदारी इमरान खान एएओ पीएचईडी को दी गई है। राज.अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयुब खान वरिष्ठ लिगल आफिसर ने कहा है कि समाज के अग्रिम पंक्ति के समाज सेवियों और अल्पसंख्यक अधिकारी व कर्मचारियों को आगे आकर सम्मान समारोह को सफल बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। रकमा संगठन चुरू के सलाहकार डॉ. अहसान गौरी ने बताया कि इस सम्मान समारोह में दसवीं और बारहवीं में 85% या इससे उपर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, एन सी सी में सी सर्टिफिकेट, स्काउट एवं गाइड में राष्ट्रपति अवार्ड,1 जनवरी 23 के बाद सरकारी सर्विस में नव नियुक्त कर्मचारी और अधिकारी,1 जनवरी 23 के बाद सेवा निवृत्त हुए अधिकारी और कर्मचारी, अल्पसंख्यक पत्रकार, पीएचडी,आइ आइ टी, आइ आइ एम, नीट, एनडीए, नेट, जेईई, सेट, क्लियर, सीए, आइसीडब्ल्यूए, सीएस क्लियर, ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएट में 70 % या इससे ऊपर अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र व छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। जिन्हें जिला स्तरीय सम्मान समारोह में 7 सितंबर को सम्मानित किया जाएगा। रकमा के जिला सचिव जाकिर हुसैन एएओ व कयुम खान लेक्चरर ने बताया कि आवेदन की अंतिम तारीख 4 सितंबर 2025 रखी गई है।

राजसमन्द विधायक दीप्ति माहेश्वरी सड़क दुर्घटना के बाद गीतांजली हॉस्पिटल में भर्ती, स्थिति स्थिर

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजसमन्द विधायक दीप्ति माहेश्वरी को सुबह लगभग 3:30 बजे सड़क दुर्घटना के बाद गीतांजली हॉस्पिटल लाया गया। प्रारंभिक जाँच में पाया गया कि उनकी कुछ पसलियां टूटी हुई हैं तथा चेहरे पर हल्की चोटें पाई गईं। गीतांजली हॉस्पिटल की डॉक्टरों की टीम पूरी तरह से तैयार थी और रोगी के आते ही आपातकालीन उपचार तुरंत प्रारंभ कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप उनकी स्थिति स्थिर हो पाई। हॉस्पिटल प्रशासन ने उनके इलाज व देखभाल के लिए सीनियर डॉक्टर्स की टीम का गठन किया हिया है जिसमें जनरल सर्जरी विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव अग्रवाल, क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद सूद, न्यूरोसर्जरी विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. गोविंद मंगल, सीटीवीएस विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संजय गांधी तथा रेडियोलॉजी विभाग से प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. कुंडू एवं डॉ. विश्वजीत की संयुक्त टीम शामिल है। वर्तमान में दीप्ति माहेश्वरी स्थिर हैं और पूर्णतः होश में हैं। डॉक्टरों ने हिदायत दी है कि इस समय वे संक्रमण के प्रति संवेदनशील हैं। अतः उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए यह अनुरोध है कि उनसे मिलने के लिए आने वालों की संख्या को न्यूनतम रखा जाए।

जुलूस-ए-मुहम्मदी को लेकर जनसंपर्क अभियान

-ओलमा-ए-अहले सुन्नत की देखरेख में निकलेगा जुलूस-ए-मुहम्मदी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। शकील पठान ने बताया कि जुलूस-ए-मुहम्मदी की तैयारी को लेकर बरकतुल्लाह कॉलोनी में मीटिंग मोहम्मद इरफान कुरैशी की सरपरस्ती में आयोजन किया गया। इफ्तिखार अहमद ने बताया कि जुलूस हजरत अब्दुल लतीफ शाह रहमतुल्लाह अलेही की दरगाह से मुफ्ती शेर मोहम्मद खान साहब रिजवी सुबह 8:00 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साजिद खान ने बताया कि ओलमाए अहले सुन्नत की मान्यता के अनुसार पूर्ण सादगी अदबो, एहतराम और अकीदत से जुलूस ए मुहम्मदी निकाला जाएगा। जुलूस की तैयारी को लेकर मुस्लिम इलाके रमजान जी का हत्था, मुंशी सिफर हुसैन कॉलोनी, मिरासी कॉलोनी, प्रताप नगर, बंबा, उदय मंदिर एवं मदीना कॉलोनी में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। मोहसिन अत्तारी ने बताया कि मीटिंग के दौरान समाजसेवी मोहम्मद जावेद, इफ्तिखार अहमद, मौलाना हाफिज जावेद, मोहम्मद अली

रंगरेज, सैयद हैदर अली, आसिफ नूरी, मोहम्मद शाहरुख, नसीम अली, मोहम्मद जावेद, एडवोकेट अब्दुल खालिद, मोहम्मद सलीम मुन्ना, मोहम्मद सदीक राजू, मोहम्मद इरफान कुरैशी, मोहम्मद कायम, उमर सामरिया, हेदर नूरी, नासिर हुसैन, जुल्फिकार अली, नूर मोहम्मद, मोहम्मद फारुख, सदीक, रुस्तम अली, शेर मोहम्मद, चांद मोहम्मद, हारुन अब्बासी, अमन, तोफीक, अबुबकर, मोः फैजान, मोः तारीक, मोः असलम, मोः वसीम, लियाकत अली, मोहम्मद हारुन, मोः रसीद, इफ्तिकार अहमद, सिराजुद्दीन, नफीस अहमद, वाजिद उस्ताद, आजाद सहित ओलमाए अहले सुन्नत, जोधपुर के तमाम बुद्धिजीवी, विद्वान और तमाम आशिकाने रसूल जोधपुर आदि उपस्थित रहे। आवाम से की गई अपील ओलमा-ए-अहले सुन्नत की सरपरस्ती में निकाले जाने वाले जुलूस-ए-मुहम्मदी में 2023-2024 की तरह टू व्हीलर फोर व्हीलर बैंड बाजे, ढोल ताशे, झांकियों नाबालिग बच्चे और महिलाओं पर जुलूस में पूर्ण प्रतिबंध रखा है और जुलूस सुबह के समय पर जल्दी निकलेगा ताकि सभी जुम्मे की नमाज अदा कर सके।

बाल साहित्य लेखक अब्दुल समद राही कुरुक्षेत्र में होंगे सम्मानित

सोजत(रॉयल पत्रिका)। मेहंदी नगरी सोजत के ख्यातनाम बाल साहित्य लेखक, शायर, कवि अब्दुल समद राही को महाभारत की रणभूमि कुरुक्षेत्र में निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति चरखी दादरी, हरियाणा द्वारा कुरुक्षेत्र में 7 सितम्बर 2025 को आयोजित हिंदी उत्सव एवं अंतर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मान/पुरस्कार समारोह-2025 में निर्मला हिंदी साहित्य गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संस्था अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार मंगलेश ने बताया कि निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति चरखी दादरी, अखिल भारतीय प्रेरणा साहित्य शोध संस्थान, कुरुक्षेत्र एवं हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय समारोह में राही को सम्मानित किया जाएगा। अखिल भारतीय प्रेरणा साहित्य एवं शोध संस्थान कुरुक्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. जय भगवान सिंगला ने बताया कि यह अन्तर्राष्ट्रीय समारोह रामस्वरूप सभागार प्रेरणा साहित्य एवं शोध संस्थान कुरुक्षेत्र में आयोजित होगा। जिसमें देश-विदेश के नामचीन साहित्यकारों को शाल श्रीफल मोमेंटो व सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। राही को मिलने वाले इस सम्मान के लिए सोजत के वरिष्ठ साहित्यकार वीरेंद्र लखावत, अरूण जोशी, जनकवि कैलाशदान चारण, कथाकार डॉ. रशीद गौरी, व्यंग्यकार उमाशंकर द्विवेदी, कवि नवनीत राय रुचिर, कवियत्री राजेश दुलारी सांदू, गीतकार पेन्टर दलपत, महेंद्र मेहता, राजेन्द्र जोशी, असलम कुरैशी, राजेन्द्र व्यास, पेंशनर समाज अध्यक्ष लालचंद मोयल, पूर्व खेल अधिकारी सत्तू सिंह भाटी, फौजी अशोक सेन, ठेकेदार मोहम्मद यूसुफ खताई, मोहम्मद यासीन,समाजसेवी अब्दुल गनी ताजक, अधिवक्ता पंकज त्रिवेदी, अनवर पठान, बाबू खां मेहर, फकीर मोहम्मद पठान, मोहम्मद इकबाल, सिकंदर टाक, नियामत अली रंगरेज आदि उपस्थित रहे।

ईद मिलादुन्नबी की तैयारियों के लिए हुई बैठक

पाली (रॉयल पत्रिका) ईद मिलादुन्नबी □ की तैयारियों को लेकर अंजुमन सीरतुन्नबी की अहम बैठक सदर हाजी मोहम्मद रफीक गौरी की अध्यक्षता में नाड़ी मोहल्ला स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कमेटी के पदाधिकारीयो ने आगमी 4-5 सितम्बर को जुलूस-ए-मोहम्मदी के मार्ग, सजावट, रोशनी, सुरक्षा व्यवस्था, सफाई, स्वास्थ्य सुविधाओं और शांति-व्यवस्था बनाए रखने से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में सदर हाजी रफीक गौरी, सेकेट्री हाजी सईद अंसारी, सैय्यद रमजान सर, शकील अहमद नागौरी, पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज, महबूब खान खिंवाड़ा, इंसाफ सोलंकी, ज़ाकिर गोरी, मकसूद अली चूड़ीगर, जावेद जिलानी, फारूक रंगीला, हाजी इसराइल खत्री, नजीर खान सिंधी, समीर गोरी, आमीन गोरी सहित कमेटी सदस्य मौजूद रहे।

मुबारक खोखर अध्यक्ष व नबी बक्स पीर की जाल महासचिव बने

ह्यूमन राइट्स नबी बक्स जिला महासचिव

मुबारक खोखर ह्यूमन राइट्स जालोर अध्यक्ष

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। ह्मन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन ने जालौर में जिलाध्यक्ष पद पर मुबारक खॉन खोखर को व जिला महासचिव पद परं नबी बक्स पीर की जाल को एवं हुसैन खॉ मैत्रीवाड़ा को उपाध्यक्ष और जिला ब्लॉक अध्यक्ष मेहबुबशाह पीर की जाल को नियुक्त किया है। ह्मन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एम. के. पठान ने ह्मन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन का विस्तार करते हुए सुरेश पंवार को प्रदेश मिडिया प्रभारी, नजीर अहमद कुरैशी को प्रदेश संघठन सचिव, देवीलाल गुर्जर एवं फिरोज खॉन राणावास को प्रदेश महासचिव, नदीम बख्श को जिलाध्यक्ष जोधपुर, मुबारक खॉन खोखर को जिलाध्यक्ष जालौर, कुतुबुद्वीन लोसन को जिलाध्यक्ष सीकर, इस्माईल खॉन छीपा एडवोकेट को प्रदेश संगठन सचिव, रफीक चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष, आमीन अली रंगरेज प्रदेश सहायक प्रवक्ता, कालु खॉन मोयला को प्रदेश सचिव, मेहराज अली चूड़िघर पाली, अल्लारख खॉन पठान देसूरी, रफीक मोहम्मद कंटालिया जिला उपाध्यक्ष पाली, सतार खॉन धामली, सतार खॉन कंटालिया जिला महा सचिव पाली, भुराराम गुर्जर जिला संयुक्त सचिव पाली, मोहम्मद अयुब संघठन सचिव पाली, इन्दरचंद अरोड़ा जिला सलाहकार, मुर्तजा कुरैशी, एडवोकेट जिलाध्यक्ष ब्यावर, नबी बक्स जिला महासचिव जालौर, हुसैन खॉन मैत्रीवाड़ा सांचौर जिला उपाध्यक्ष जालौर, दुर्गाराम परिहार जिला महासचिव जोधपुर, मोहम्मद उस्मान पठान जिलाउपाध्यक्ष जोधपुर, मेहबुबशाह जिलाब्लॉक अध्यक्ष, पीर की जाल सांचौर को नियुक्त किया गया है। एवं नव नियुक्त जिलाध्यक्ष गणों को निर्देशित किया कि आप अपने जिलों की जिला कार्यकारिणी अति शीघ्र तैयार कर सूचित करावें एवं सभी प्रदेश एवं जिलों के पदाधिकारी ईमानदारी और अमानतदारी के साथ अच्छा कार्य करेगें और संघठन को मजबुत बनाने के लिए कार्य करते रहेगें।

सांचौर में दिन दहाड़े गैंग ने युवक का किया अपहरण मांगी थी 20 लाख की फिरौती

-पुलिस की सूझबूझ से युवक को छुड़वाया, डमी रकम से पकड़े गए आरोपी

सांचौर (रॉयल पत्रिका) रामदेवरा पैदल यात्रा से लौट रहे एक युवक का अपहरण कर गैंग ने 20 लाख रूपए की फिरौती मांगी, लेकिन पुलिस की सूझबूझ और परिजनों के सहयोग से फर्जी रकम के जरिए आरोपियों को रंगे हाथ दबोच लिया गया। इस कार्रवाई से युवक को सुरक्षित छुड़ाया गया। सेड़िया गांव निवासी सुरेश कुमार 23 ने थाने में रिपोर्ट में बताया किवह 13 अगस्त को अपनी मां समेत 18 लोगों के दल के साथ रामदेवरा यात्रा पर गया था। यात्रा के दौरान उसकी मुलाकात धोलीदेवी नामक महिला और उसके सहयोगियों से हुई। यात्रा के बाद लगातार फोन पर बातचीत बढ़ाते हुए 23 अगस्त को धोली देवी ने सुरेश को सांचौर स्थित निजी हॉस्पीटल बुलाया। यहां पहले से मौजूद धोली देवी उसके पति सांवलाराम और अन्य साथियों ने सुरेश को गाड़ी में बैठा लिया और उसकी मोटरसाईकिल भी अपने कब्जे में ले ली। इसके बाद युवक को होटल और फिर सुनसान डुंगरवा सरहद में ले जाकर मौरमीट की गई। आरोपियों ने सुरेश के मोबाईल से 65 हजार रूपये यूपीआई के जरिए ट्रांसफर करवा लिए और परिजनों से फोन पर 20 लाख की फिरौती की मांग की। रकम नहीं देने पर युवक की हत्या की धम्मकी भी दी। घबराए परिजन तुरन्त थाने पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को समझते हुए डमी रकम देने की योजना बनाई। तय योजना के तहत जब आरोपी सांचौर के कमालपुरा सरहद में निजी होटल पर फिरौती लेने पहुंचे तो पुलिस ने घेराबंदी कर मुख्य आरोपी रामजीवन को मौके पर दबोच लिया। उसकी निशानदेही पर धोलीदेवी, सांवलाराम सहित अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

कांग्रेस जिला कार्यकारिणी में चार पदाधिकारियों का मनोनयन

पाली। (रॉयल पत्रिका)। हाल ही में कांग्रेस जिला अध्यक्ष अजीज दर्द की ओर से घोषित जिला कार्यकारिणी का दायरा बढ़ाया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने 4 नियुक्तियां दी है। तखतगढ़ नपा के पूर्व सहवृत सदस्य पेमाराम माली, बूसी निवासी वसनाराम मेघवाल व सोडावास निवासी मिश्रीलाल सीरवी को जिला सचिव मनोनित किया।वही, कांग्रेस सेवादल के पूर्व अध्यक्ष गोवर्धन लाल प्रजापत को जिला महासचिव बनाया है। कार्यकारिणी में नए पदाधिकारियों के मनोनयन से पार्टी कार्यकर्त्ताओं में खुशी की लहर है।

रिटायर्ड न्यायाधीश अरुण कुमार पारिक ने हज़रत दीवाना शाह में पेश किए फूल व चादर

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरूण कुमार पारिक ने अपने साथियों के साथ चादर व फूल पेश कर मुल्क में अमनो सुकून की दुआ की। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधी अरूण कुमार पारिक के साथ जयपुर के भाजपा नेता एवं एडवोकेट सरदार इन्द्र मोहन, दीपक सिंह, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड के भानेज प्रवीण धनखड के साथ भाजपा अल्पसंख्यक के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट सैयद अशफाक अली व हाजी सैयद अशरफ अली ने चादर व फूल पेश कर मुल्क मे अमनों सुकून की दुआ की। वक्फ कमेटी सदस्य एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष सैयद ऐजाज अली, असलम शैख, हाजी साबिर पुंवार, हाजी शराफत भाटी, हाजी अब्दुर्रहमान मंसूरी ने सभी की दस्तारबंदी कर श्रीफल भेंट किया।

कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय शहर ब्लॉक कांग्रेस व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस में, आयोजित कांग्रेसजनों की बैठक में, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा हमारे नेता राहुल गांधी देश भर में अभियान चलाया है, वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा पूरे देश में गूंज रहा है, इसको लेकर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी इण्डिया गठबंधन के साथ बिहार में। सभाएं और रैली कर रहे हैं, उनकी सफलता से, भाजपा बौखला गई है, अब भाजपा के नेता तानाशाही पर उतारू हो गए, बिहार कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर हमला बोला यह गलत है, लोकतंत्र में तानाशाही नहीं चलेगी। बैठक में वर्षा से हो रहे शहर भर में नुकसान से हालात ख़राब होने जिला प्रशासन का ध्यान देने को कहा। पीसीसी सचिव रियाजत खां, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किषोर धान्धू निवर्तमान सभापति पायल सैनी, किसान नेता आदुराम न्यौल, रमजान खां, अबरार खां आदि ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर प्यारेलाल दानोदिया, संजय भाटी आबीद जाबासरिया, असलम खां मोयल, अजीज खां, अली मोहम्मद भाटी, योगेष ढाका, विमल शर्मा, तोफिक खान, समीउल्लाह गौरी, शिवकुमार शर्मा, इमरान मलनस, आरिफ़ रिसालदार, तोफिक एनएसयुआई, संजय कँटाला, आसिफ निर्वाण, सूर्यप्रकाश वर्मा सहित सैकडो कांग्रेस कार्यकर्ता मौजुद रहे।

अलीगढ़ की ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद और 1857 के शहीदों की दास्तान

अलीगढ़ (रॉयल पत्रिका)। अलीगढ़ की ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद अपने अंदर एक महान इतिहास समेटे हुए है। इसकी दीवारों और ज़र्रों में मुसलमानों की अतीत की शान और गौरव झलकता है। इसके गुम्बद आज भी सोने के ताज की तरह ऊँचे खड़े होकर यह संदेश दे रहे हैं कि असली ख़जाना वह नहीं जो नज़र आता है, बल्कि वह अमूल्य ख़ज़ाना है जो इसके सीने में छुपा है, 1857 की पहली जंग-ए-आज़ादी में शहीद हुए 73 स्वतंत्रता सेनानियों की क़ब्रें हैं। 1857 की पहली आज़ादी की जंग अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ लड़ी गई थी। अंग्रेज़ इसे ग़दर कहते थे। यह लड़ाई 10 मई 1857 से 1 नवंबर 1858 तक यानि लगभग 1 साल 5 महीने और 22 दिन चली। यह जंग भले ही कुछ अपनों की गद्दारी के कारण सफल न हो सकी, लेकिन शहीदों ने अपने ख़ून से एक नई तारीख़ लिख दी और मुल्क की आज़ादी का रास्ता तय कर दिया। इस जंग में हिन्दस्तान के हर कोने से लोग शामिल हुए और मुसलमानों ने भी बराबर हिस्सा लिया। इसी सिलसिले में अलीगढ़ जामा मस्जिद के शहीद इमाम मौलाना अब्दुल जलील इसराइली और उनके साथियों की बरसी पर मस्जिद में ईसाल-ए-सवाब का आयोजन किया गया। इस मौक़े पर मशहूर स्कॉलर पद्मश्री प्रोफेसर ज़िलुर्रहमान ने कहा कि मौलाना अब्दुल जलील इसराइली की शहादत का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनकी शहादत के बाद खुद रसूल-ए-पाक ने दारुल उलूम देवबंद के बानी मौलाना क़ासिम नानौतवी को ख्वाब में इशारा दिया और हुक्म दिया कि "मेरा दोस्त अलीगढ़ में शहीद हो गया है, जाकर उसके बच्चों को तालीम दो।" इस इशारे के बाद मौलाना क़ासिम नानौतवी अलीगढ़ पहुँचे और जामा मस्जिद आए। उन्होंने शहीद मौलाना अब्दुल जलील के परिवार से मुलाक़ात की जो बड़ी कठिनाई में जीवन गुज़ार रहा था। जब उन्होंने बच्चों की तालीम की पेशकश की, तो शहीद का परिवार बोला, हमारी हालत ऐसी नहीं है कि आपको कोई मेहनताना दे सकें। इस पर मौलाना नानौतवी ने जवाब दिया कि हमें कोई मेहनताना नहीं चाहिए, हम तो रसूल का हुक्म पूरा करने आए हैं। बस हमें जगह दे दीजिए ताकि बच्चों को पढ़ा सकें। इसके बाद उन्होंने उसी परिवार के बच्चों को शिक्षा दी। 1857 की जंग-ए-आज़ादी में अलीगढ़ की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल जलील ने न केवल अंग्रेज़ों के खिलाफ जिहाद का फ़तवा जारी किया, बल्कि खुद अपने साथियों और छात्रों के साथ लड़ाई में शामिल होकर शहादत पाई। इन सभी शहीदों को जामा मस्जिद में दफ़नाया गया, जहाँ उनकी क़ब्रें आज भी मौजूद हैं। शहीद मौलाना अब्दुल जलील के पोते इंजीनियर राहत सुल्तान इसराइली ने बताया कि इस समय उनकी पांचवीं पीढ़ी चल रही है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने मौलाना अब्दुल जलील इसराइली की शहादत के बाद भी हिम्मत नहीं हारी और देश की सेवा जारी रखी। इतिहासकारों का कहना है कि दुनिया में शायद ही कोई ऐसी मस्जिद होगी, जहाँ एक साथ 73 शहीदों की क़ब्रें हों। अलीगढ़ की शाही जामा मस्जिद में मौलाना अब्दुल जलील इसराइली समेत सभी 73 शहीदों की क़ब्रें मौजूद हैं।

ईद-ए-मिलादुन्नबी अमन और शांति का प्रतीक

-1500 साल जुलूस-ए-मोहम्मदी के आयोजन पर बैठक

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मरकजी मदरसा मदीना तुल उलूम में रात्रि 9:00 बजे एक बैठक पैगंबर इस्लाम के जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी पर निकलने वाला सालाना अमन और शांति भाईचारे का प्रतीक जुलूस-ए-मोहम्मदी को लेकर हुई बैठक में जुलूस कमेटी के सैयद अबरार हुसैन कादरी ने बताया की इस साल पैगंबर इस्लाम का 1500 सौ साला जन्मदिवस ईद मिलादुन्नबी बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा वार्षिक जुलूस-ए-मोहम्मदी 5 सितंबर 2025 शुक्रवार को मरकाजी मदरसा मदीनातुल उलूम मोहल्ला तेलियां से सुबह 10:00 बजे प्रारंभ होकर नई सड़क, स्टेशन रोड, धर्म स्तूप, पुरानी सड़क माल जी के कमरे से पुनः मदरसा में पहुंचकर समापन होगा। जुलूस का नेतृत्व शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम मूल कादरी करेंगे जुलूस-ए-मोहम्मदी में सभी राजनीतिक पार्टियों के वरिष्ठ गणमान्य एवं सभी धर्म संप्रदाय के लोगों के साथ शहर भर के अलग-अलग मोहल्ले से मुस्लिम समुदाय के लोग मदरसा के बच्चे पैगंबर-ए-इस्लाम का पैगाम लेकर जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल होंगे। बैठक में शहर भर की सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया सभी को अलग-अलग दायित्व सौंपा गया। बैठक का संचालन मोहम्मद अली पठान ने किया।

शिक्षाविद अब्दुल हमीद खां मोयल का निधन

-बड़ाबास स्थित दरगाह कब्रिस्तान में किया गया सुपुर्द-ए-खाक

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। लाडनूं क्षेत्र में गुरूजी के नाम से मशहूर और अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले मास्टर अब्दुल हमीद खां मोयल बड़ाबास लाडनूं निवासी ने अलसुबह अपने घर पर आखिरी सांस ली। दोपहर को बड़ाबास स्थिति दरगाह खाद खदीर की कब्रिस्तान में उनके नमाज जनाजे की नमाज अदा कर सुपुर्द खाक किया गया और मरहुम के लिए दुवाएं मग्फीरत की गई तथा इनके घर वालों को यह दुःख सदमा सहन करने की हिम्मत और ताकत देने की दुवाए मांगी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के अलावा मुस्लिम समुदाय सहित सर्वसमाज के गणमान्य नागरिक उनकी अंतिम शव यात्रा जनाजे में शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। जानकारी अनुसार महुरुम अब्दुल हमीद खां मोयल सरकारी व्याख्याता पद से सेवानिवृत मोयल सदैव शिक्षा को समर्पित रहे। वे विभिन्न संगठनों से जुड़कर अपने अंतिम समय तक समाज सेवा से जुड़े रहे। शिक्षक नेता नानूराम गोदारा ने बताया कि मोयल राजस्थान शिक्षक संघ, राजस्थान संयुक्त कर्मचारी महासंघ, अंजुमन फैज-ए-आम, अल्पसंख्यक अधिकारी, कर्मचारी महासंघ, मानवाधिकार फाउण्डेशन, अणुव्रत समिति आदि संस्थानों से जुड़कर विशिष्ट समाज सेवा का कार्य में सदैव तत्पर रहे। सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि गुरुजी हमारे आदर्श रहे हैं और अचानक उनका इस तरह से इस दुनिया को अलविदा कह कर चले जाने से क्षेत्र और क्षेत्र वासियों के लिए अति दुखद और अपूर्णीय क्षति हुई है। इस अवसर पर लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, समाजसेवी नरेंद्र भुतोड़ीया, चीफ शहर काजी सैय्यद मोहम्मद अली असरफी, मौलाना मोहम्मद मदनी, मौलाना मोहम्मद शकिल, समाजसेवी लियाकत अली, समाजसेवी डॉ. गुलाबनबी सिसोदिया, डॉ. नानूराम चोयल, डॉ. वीरेंद्र भाटी मंगल, शिक्षक नेता जगदीश घिंटाला, व्याख्याता चंद्राराम मेहरा, प्राचार्या डॉ. शिल्पी जैन, शिक्षिका परवीन भाटी, अलानुर ठेकेदार, जगदीश यायावर, शंकर आकाश, लछमन चारण, मास्टर मोहम्मद बिलाल मुगल, पार्षद इदरीस खां, अबू बकर बल्खी, हारून बड़गुर्जर, नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां, उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, प्रधान हनुमानाराम कासनीया, होशियार अली खां, यासीन अख्तर, सबीर खां लाडवाण, अयुब खां सामदखानी सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिको ने श्रद्धांजलि पेश की है।

ईद मिलादुन्नबी के दिन को ड्राई डे घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री के नाम लिखा पत्र

मोहम्मद यासीन

पाली। (रॉयल पत्रिका)। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर राज्यभर में शराब बिक्री पर रोक लगाने और इस दिन को ड्राई डे घोषित करने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस महासचिव आमीन अली रंगरेज ने राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर 5 सितंबर को ड्राई डे घोषित करने की मांग की। पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज ने पत्र में कहा कि ईद मिलादुन्नबी केवल मुस्लिम समाज ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एकता, भाईचारे और अमन का संदेश लेकर आती है। ऐसे पवित्र अवसर पर राज्य सरकार को चाहिए कि इस दिन शराब बिक्री पर पूर्णतया रोक लगाते हुए इसे ड्राई डे घोषित करे।

मुहम्मद साहब ना केवल किसी वर्ग अथवा धर्मविशेष वरन् पूरी दुनिया में एक बहुत बड़े समाज सुधारक के रूप में माने जाते हैं। इन्होंने तत्कालीन समय में प्रचलित कई बुराइयों जैसे ब्याजखोरी, शराब, कन्या वध आदि को खत्म किया था। इन्होंने महिलाओं के उत्थान हेतु विधवा विवाह पर जोर दिया। इन्होंने समाज की सबसे बड़ी बुराई शराब सेवन या नशाखोरी को बताया है जो कि कई बुराइयों की जड़ है। उनके अनुसार जो व्यक्ति या जिस घर में शराब सेवन या नशाखोरी की जाती है उस घर या परिवार को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

कायमखानी छात्रावास सीकर में लाइब्रेरी का उद्घाटन

-उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि वक्फ बोर्ड चेयरमैन खानू खां बुधवाली थे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कायमखानी छात्रावास सीकर में 31 अगस्त 2025 रविवार को एक अत्याधुनिक लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया। लाइब्रेरी उद्घाटन समारोह कायमखा छात्रावास सीकर में आयोजित किया गया। जिसमें वक्फ बोर्ड राजस्थान के अध्यक्ष डॉक्टर खानू खा बुधवाली थे। समारोह की अध्यक्षता नजीर खान ने की। कायमखानी समाज के समाज सेवियों, व्यवसायियों एवं राजनीतिज्ञों ने समारोह में भाग लिया। मौके पर ही समाज के लोगों ने छात्रावास में पांच कमरे, चार एसी एवं 7 लाख नगद देने की घोषणा की। मुख्य अतिथि वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर खानू खा बुधवाली ने छात्रावास कमेटी और समाज के भामाशाहों की तारीफ की और समाज के विकास में योगदान पर उनको बधाई दी। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे जिनमें फतेहपुर से विधायक हकीम खां, सीकर नगर पालिका चेयरमैन जीवन खां, कर्नल शौकत खां, अमजद खां जयपुर, सुल्तान खां जयपुर, खानु खां भीचडी, हाजी याकूब बुधवाली, याकूब थानेदार, जाकिर ठेकेदार जाजोद, अयूब खां भैसवा, मकसूद खां किरोडली, खानू खां कासली, महमूद खां बुधवाली, आरिफ खां यूथ कांग्रेस एवं सूबेदार इस्लाम खान सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

रकमा पदाधिकारियों ने राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा का स्वागत किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रकमा के प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद, रकमा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जाहिद अली, मोहसिन खान एवं संयुक्त सचिव मोहम्मद इमरान शेख ने साथ मिलकर राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। अभिमन्यु शर्मा पूर्व में भी सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं।

सभी प्रदेश वासियों को जश्ने ईद मिलादुन्नबी की
तेह-दिल से मुबारकबाद
Milad un Nabi
Milad un Nabi

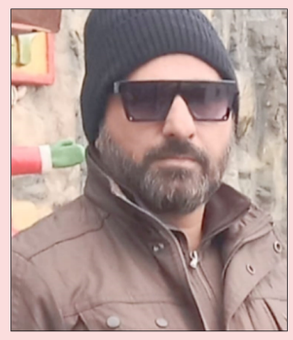

ठाकुर दिलावर खॉ जी झेरडीया
ठाकुर बरकत खॉ जी झेरडीया
ठाकुर सुल्तान खॉ उर्फ (अमजी) वल्द केसु खॉ जी झेरड़ीया ठिकाना-सांचौर
फर्म-रॉक एण्ड रॉयल फेशन विवेकानंद सर्कल, सांचौर (जालौर)
office - Rock Aksh Events 102. Royal send. Lokhandwla Complex Andheri West, Mumbai
8898917567,9833582580,9660473120

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद
Milad-un-Nabi - MUBARAK -
Milad-un-Nabi - MUBARAK -

जिलाध्यक्ष
उर्स मोहम्मद सरवाना
मोयला (कुम्हार) समाज सेवा समिति सांचौर
6377216687

ब्लॉक अध्यक्ष
जाकीर हुसैन विरोल
मोयला (कुम्हार) समाज सेवा समिति सांचौर
9928301788

ब्लॉक अध्यक्ष
उका खॉन वरनवा (चितलवाना)
मोयला (कुम्हार) समाज सेवा समिति सांचौर
9680703286

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद
Milad-un-Nabi - MUBARAK -
Milad-un-Nabi - MUBARAK -

सेवानिवृत
हाजी जाकिर हुसैन
(UDC) SDM कार्यालय सांचौर
मो. 9772885094

दरगाह हजरत मरदुम
पीर डाडा अब्बनशाह रे.अ.
पीर की जाल, सांचौर

GNM/CMS. ED
सिकन्दर बक्ष
मेहता चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र
सांचौर मो. 9983370720

पूर्व सदर-दरगाह इन्तजामिया वक्फ कमेटी, पीर की जाल-सांचौर, जिला-जालौर (राज.)

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद

खादीम नसीबशाह
7665521013

ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की मुबारकबाद

फर्म:मरदुम जनरल स्टोर (गिलाफ मखमल की चादर, अंतर, गुलाबजल, अगरबत्ती के हॉल सेल - रिटेल विक्रेता) पीर की जाल, प्रतापपुरा, सांचौर।

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद
UN-NABI - MUBARAK -
Milad-un-Nabi - MUBARAK -

एडवोकेट ईब्राहीम शाह
जूनेजा पीर की जाल कोर्ट परिसर, सांचौर
Mob. 9829179404

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद
Milad-un-Nabi - MUBARAK -

मेहर शेरु खॉ
फर्म-मेहर कन्ट्रेक्शन कम्पनी, सांचौर।
A,A क्लास कांटेक्ट, जल संसाधन विभाग, राजस्थान

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को ईद मिलादुन्नबी की दिली मुबारकबाद
Milad Un Nabi Mubarak
Milad Un Nabi Mubarak

हाजी सुहान खॉ दईया
वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता
नर्मदा कॉलोनी रोड, सांचौर

पूर्व प्रधान
डॉ. शमशेर अली सैयद कमालपुरा
पं.स. सांचौर जिला-जालौर
6350062831,9414816785

अध्यक्ष
ठेकेदार ईकबाल खॉ
हाजी सुहान खॉ दईर
दस्तगीर मुस्लिम मुसाफिर खाना, सांचौर 9928493648

टेस्ला गीगा फैक्ट्री से 4 गुना बड़ा बनेगा धीरु भाई अंबानी गीगा एनर्जी कॉम्प्लेक्स

-4.4 करोड़ वर्ग फीट में फैला होगा कॉम्प्लेक्स -इसमें 34 लाख क्यूबिक मीटर कंक्रीट और 7 लाख टन स्टील का इस्तेमाल होगा

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में अपनी पहली स्पीनच में ही धमाका कर दिया है। उन्होंने जामनगर में बन रहे धीरूभाई अंबानी गीगा एनर्जी कॉम्प्लेक्स के बारे में जानकारी दी। अनंत ने बताया कि यह कॉम्प्लेक्स टेस्लाग गीगाफैक्ट्री से चार गुना बड़ा होगा। उन्होंने 75,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की नई परियोजनाओं की भी घोषणा की। अनंत अंबानी ने अपनी पहली एजीएम स्पींच में धीरूभाई अंबानी गीगा एनर्जी कॉम्प्लेक्स की प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह कॉम्प्लेक्स 4.4 करोड़ वर्ग फीट में फैला होगा। इसमें 34 लाख क्यूबिक मीटर कंक्रीट और 7 लाख टन स्टील का इस्तेमाल होगा, जो 100 एफिल टावर में लगने वाले स्टील के बराबर है।

कॉम्लेका क्स में लगेगा 1 लाख किलोमीटर लंबा केबल-

अनंत अंबानी ने बताया कि गीगा एनर्जी कॉम्प्लेक्स में 1 लाख किलोमीटर लंबा केबल लगेगा। यह केबल चांद तक जाकर वापस आने जितना लंबा है। उन्होंने यह भी कहा कि 50,000 से ज्योादा कर्मचारी तेजी से काम कर रहे हैं और निर्माण में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। अनंत अंबानी ने कई नई परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें नागोटणे में 1.2 MT का PVC प्लांट, दाहेज में CPVC और 20 लाख PTA की विस्तारित सुविधा और पालघर में 1 MT स्पेशलिटी पॉलिस्टर सुविधा शामिल हैं। अनंत अंबानी ने कहा, 'हमारी हजीरा कार्बन फाइबर सुविधा दुनिया की तीन सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक होगी। यह एयरोस्पेस, डिफेंस और आधुनिक सामग्री के लिए काम करेगी। जामनगर में हम एक स्वायत्त रिफाइनरी बनाने की राह पर हैं।' उन्होंने आगे कहा कि रिलायंस के तेल और गैस उत्पादन कारोबार ने 21,188 करोड़ रुपये (2.5 अरब डॉलर) का रिकॉर्ड EBITDA हासिल किया है। यह कृष्णा-गोदावरी बेसिन और CBM से ज्या1दा उत्पादन के कारण हुआ है।

न हो आराम जिस बीमार को सारे जमाने से, उठा ले जाए थोड़ी सी खाक डाडा अब्बनशाह के आस्ताने से

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को जश्ने ईद मिलादुन्नबी की
दिली मुबारकबाद

जियारते बाल मुबारक का प्रोग्राम रखा गया है

EID Milad-un-Nabi MUBARAK

दरगाह हजरत मख्दुम पीर डाडा अब्बनशाह रे. अ. पीर की जाल, सांचौर।

कार्यकारी अध्यक्ष
इसुब खां मलेक
दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी पीर की जाल, सांचौर।
9879810891

सचिव
उके खां
दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी पीर की जाल, सांचौर।
9680703286

खजान्ची
मीठुशाह जुनेजा
दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी पीर की जाल, सांचौर।
9978436930

दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी सलाहकार उमर खां, रहीम भाई सदस्य, तालब खां सदस्य, दरिया खां सदस्य, बरकत खां सदस्य, रमजानशाह सदस्य, सुजामोहम्मद सदस्य, नसरत खां सदस्य, सावण खां सदस्य, कासम भाई सदस्य, ईब्राहीम भाई सदस्य व एडवोकेट ईब्राहीमशाह जुनेजा, अन्तरशाह, हाजी जुसबशाह, मोहम्मदशाह, अल्लाबक्षशाह, जाल मोहम्मदशाह, भीखुशाह पीर की जाल, प्रतापपुरा, सांचौर, जिला-जालौर (राजस्थान)

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com